तापमान
अधिकतम 33.0 डिग्री
न्यूनतम 24.3 डिग्री

हरिभूमि
रायपुर भूमि

रायपुर, रविवार 10 अगस्त 2025

12 साय ने कहा- गोधाम योजना से पशुधन संरक्षण नस्ल सुधार...

14 निवेश के लिए सोना सबसे खरा, चांदी से भी हो रही चांदी

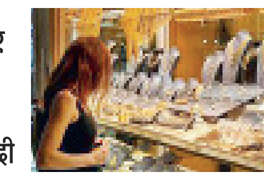

मुन्ना भाई एमबीबीएस बर्खास्त, बिना रजिस्ट्रेशन बन गया था सरकारी डॉक्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

छत्तीसगढ़ सहित देश में कई राज्यों में एमबीबीएस मुन्ना भाई परीक्षा देते पकड़े गए हैं, लेकिन प्रदेश में यह पहला मामला है, जिसमें एक मुन्ना भाई शासकीय नौकरी करते हुए पकड़ा गया है। इस मुन्ना भाई का नाम राहुल अग्रवाल है, जो रायपुर निवासी होने के साथ पिछले सात वर्ष से अधिक समय से राजधानी रायपुर में शासकीय अस्पतालों में पदस्थ रहा है। इस मुन्ना भाई का भांडा तब फूटा जब एक आरटीआई कार्यकर्ता ने सूचना के अधिकार के तहत इसकी डिग्री और मेडिकल काउंसिल में रजिस्ट्रेशन की जानकारी डा. भीमराव आंबेडकर अस्पताल के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य ▶▶|शेष पेज 13 पर

शिकायत के बाद डिग्री जमा करने के लिए कहा गया, लेकिन दिखा नहीं सका

दस्तावेज जमा नहीं करने पर कार्रवाई

राहुल अग्रवाल की नियुक्ति एनएचएम छत्तीसगढ़ ने की थी। बर्खास्त भी एनएचएम ने किया है। शिकायत आने पर एमबीबीएस की डिग्री एवं मेडिकल काउंसिल में पंजीयन संबंधी दस्तावेज जमा करने कहा था, पर जमा नहीं किया। इस कारण बर्खास्तगी की कार्रवाई हुई।

- मिथिलेश चौधरी, सीएमएचओ आंबेडकर अस्पताल रायपुर

दस्तावेज जमा करने अतिरिक्त समय लेने हाईकोर्ट में भी लगाई थी याचिका

एनएचएम के आयुक्त सह मिशन संचालक ने इस संबंध में 4 अगस्त को आदेश जारी किया है। इस आदेश में बताया गया है कि डा. राहुल अग्रवाल को नोटिस जारी कर उसकी एमबीबीएस की डिग्री एवं मेडिकल काउंसिल में रजिस्ट्रेशन संबंधी दस्तावेज 15 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से सीएमएचओ के पास जमा करने के निर्देश दिए थे। इस निर्देश पर राहुल अग्रवाल ने दस्तावेज जमा नहीं कर हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। इस याचिका में राहुल ने दस्तावेज जमा करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा था। इसे स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट ने 90 दिनों का समय भी दिया था, लेकिन ▶▶|शेष पेज 13 पर

रक्षाबंधन में एक पैग के साथ एक फ्री ऑफर, बवाल के बाद मांगी माफी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भाई बहनों के प्यार का पर्व रक्षाबंधन जैसे पवित्र त्योहार को शराब परोसने वाले क्लब तथा होटल संचालक भी भुनाने लगे हैं। नवा रायपुर स्थित आईपी क्लब ने युवाओं को आकर्षित करने 'बाई वन, गेट वन फ्री' शराब का ऑफर दिया है। क्लब के इस ऑफर से विवाद खड़ा हो गया है। ऑफर देने क्लब ने सोशल मीडिया में बाकायदा विज्ञापन जारी किया है। रक्षाबंधन पर एक पैग के साथ एक पैग फ्री का ऑफर देने वाले क्लब का नाम आईपी क्लब बताया जा रहा है।

क्लब ने एक पैग के साथ एक पैग फ्री ऑफर का विज्ञापन जारी किया है। वह स्पेशल रक्षाबंधन के दिन नौ अगस्त के लिए जारी किया है। क्लब ने सोशल मीडिया में जो विज्ञापन जारी किया है, उस विज्ञापन में ▶▶|शेष पेज 13 पर

विज्ञापन देख भड़के हिंदू संगठन ने क्लब को दी चेतावनी

पूर्व में भी हो चुका है फेक वेडिंग का आयोजन

दो माह पूर्व विधानसभा थाना क्षेत्र में संचालित सिमर क्लब में इसी तरह फेक वेडिंग का आयोजन किया गया था। फेक वेडिंग के आयोजन के फोटो वीडियो सामने आने पर बजरंगदल के कार्यकर्ताओं ने थाने के सामने प्रदर्शन करते हुए आयोजनकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। एफआईआर दर्ज होने के बाद अब तक पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की है।

भारतीय संस्कृति का मजाक बनाया जा रहा

बजरंगदल ने रक्षाबंधन जैसे पवित्र त्योहार पर एक पैग शराब के साथ एक पैग फ्री देने जैसे ऑफर को दुर्भाग्यजनक बताया है। बजरंगदल के नेताओं के मुताबिक क्लब का संचालन करने वाले कारोबारी सनातन की संस्कृति का लगातार अपमान कर रहे हैं। रक्षाबंधन भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का त्योहार है, इस दिन शराब का प्रमोशन हमारी संस्कृति का मजाक उड़ाना है। बजरंगदल के नेताओं ने आयोजनकर्ताओं को तत्काल आयोजन रद्द करने की चेतावनी दी है। चेतावनी की अनदेखी करने पर प्रदर्शन करने की धमकी दी है।

महिला से 88 हजार की ठगी : रायपुर। राखी थाने में नवा रायपुर निवासी घृति मिश्रा ने अज्ञात जालसाज के खिलाफ टास्क पूरा करने का झांसा देकर 88 हजार रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। घृति ने पुलिस को बताया कि जालसाज ने ऑनलाइन रकम ट्रांजेक्शन कराकर ठगी का शिकार बनाया।

पाक ड्रग कनेक्शन से जुड़े दो कुरियर ब्वॉय दबोचे गए

- पुलिस ने ड्रग से जुड़े मामले में अब तक 11 लोगों को किया गिरफ्तार
- ड्रग लेने वाले ढाई सौ बैंक अकाउंट को पुलिस ने कराया होल्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पाकिस्तान से ड्रग तस्करी रैकेट केस में पुलिस ने शनिवार को दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। ड्रग केस में जिन दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, उन्हें मिलाकर पुलिस ने अब तक कुल 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जिन दो लड़कों को गिरफ्तार किया है, वे दोनों कुरियर ब्वाय का काम करते थे। बताया जा रहा है, दोनों लड़के भाड़े में ड्रग आपूर्ति करने का काम करते थे। ड्रग मामले में आने वाले दिनों में पुलिस ▶▶|शेष पेज 13 पर

ढाई सौ बैंक अकाउंट पुलिस ने कराया होल्ड

सुवित श्रीवास्तव तथा अन्य ड्रग तस्करों के मोबाइल से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने ड्रग लेने वाले ढाई सौ लोगों के बैंक अकाउंट को होल्ड कराया है। जिन बैंक अकाउंट को होल्ड कराया गया है, उस अकाउंट की डिटेल जानकारी देने पुलिस ने संबंधित बैंक को पत्र लिखा है। ड्रग बेचने वाले तस्करों के बैंक अकाउंट को पुलिस ▶▶|शेष पेज 13 पर

पुलिस के साथ केंद्रीय एजेंसी डार्क वेब एंगल से भी जांच कर रही

पाकिस्तान से तस्करी कर ड्रग मंगाने वाला लवजीत सिंह उर्फ बंटी तथा सुवित श्रीवास्तव द्वारा ड्रग मंगाने से लेकर खपाने के सभी एंगल की पुलिस के साथ केंद्रीय एजेंसी जांच कर रही है। आशंका जताई जा रही है कि सॉफ्टवेयर इंजीनियर सुवित तथा लवजीत ने डार्क वेब के माध्यम से भी ड्रग मंगाकर खपाने का काम किया हो। इसके लिए पुलिस के साथ केंद्रीय एजेंसी उनके मेल की जांच कर रही है। जब्त मोबाइल की फोरेंसिक जांच की जा रही है। फोरेंसिक जांच के बाद पता चलेगा कि सुवित तथा लवजीत ने डार्क वेब से ड्रग मंगाया है या नहीं।

दवाओं की कीमत में छूट बंद करने का सर्कुलर जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दवाओं की कीमत में भारी छूट दिए जाने का विज्ञापन करने वाले दवा कारोबारियों पर कार्रवाई हो सकती है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा इस मामले में सर्कुलर जारी किया गया है। चेतावनी दी गई है कि नियम का पालन नहीं करने वाले दवा दुकानदारों के खिलाफ लाइसेंस निलंबन अथवा रद्दीकरण की कार्रवाई भी हो सकती है।

उपभोक्ताओं को आकर्षित करने विभिन्न कारोबारी दवा के दाम में भारी छूट संबंधी बोर्ड, फ्लैक्स, लीफ लेट आदि का वितरण करते हैं। ऐसा करना फार्मेसी प्रैक्टिस रेगुलेशन 2015 के नियम 12.1 और 12.2 तथा ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट 1940 के नियम 1945 और ड्रग एंड मैजिक रेमेडीज एक्ट 1954 का उल्लंघन है। इस मामले में एमपी, महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों द्वारा प्रतिबंध लगाने पूर्व में आदेश जारी किया जा चुका है। इस मामले में छत्तीसगढ़ में भी निर्देश जारी करने की मांग की जा रही थी। इस आधार पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने ऐसे तमाम दवा विक्रेताओं को चेतावनी जारी की है जो मरीजों को दवाओं की कीमतों में छूट देना का प्रलोभन देते हैं। दवा कारोबारियों को यह भी चेताया गया है कि अगर वे नियम का उल्लंघन करते हैं, तो उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा सकती है। पिछले दिनों इंडियन फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन के नियंत्रक दीपक अग्रवाल से मुलाकात कर स्थानीय एवं ऑनलाइन दोनों मेडिकल दुकानों द्वारा की जाने वाली दवाओं में छूट वाले विज्ञापनों पर रोक लगाने की मांग की थी।

- नहीं माना नियम तो लाइसेंस निलंबन अथवा रद्द करने की कार्रवाई

निशुल्क मिले दवा

इंडियन फार्मासिस्ट के सचिव राहुल वर्मा ने कहा कि दवाओं की कीमतों में छूट के प्रलोभन की रोकथाम के लिए सरकारी अस्पतालों में सभी प्रकार की दवा वितरण व्यवस्था को पुख्ता करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में दवाओं में छूट संबंधी विज्ञापनों पर सख्ती से रोक लगाने आईपीए हरसंभव प्रयास करेगा।

गर्मी के सीजन में खनन करने थे 100 नलकूप, मात्र 31 ही करा पाए अफसर, 598 हैंडपंप बंद भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर।

रायपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के कई ग्रामों में गर्मी के सीजन में इस बार पेयजल की समस्या से बहुत ज्यादा रही। इसका कारण पीएचई विभाग के अफसरों की लापरवाही है। ग्रामीण क्षेत्रों में पहले ही लोग जहां पूरी गर्मीभर 598 हैंडपंप बंद पड़े होने के कारण पेयजल की समस्या से जूझते रहे, वहीं दूसरी ओर इन ग्रामों में नलकूप का खनन करने में भी विभाग ने बड़ी लापरवाही बरती है।

इन ग्रामों में गर्मीभर पेयजल का संकट न गहराए, इस उद्देश्य से जिला पंचायत ने पीएचई विभाग को 100 नलकूप खनन का टारगेट दिया था। इस टारगेट के एवज में अफसर मात्र 30 प्रतिशत ही नलकूप का खनन करा पाएं है, जिसके कारण इन ग्रामों में रहने वाले परिवारों को गर्मीभर पेयजल की समस्या से परेशान होना पड़ा।

सामान्य प्रशासन में गरमाया था मुद्दा

जिला पंचायत की सामान्य सभा में नलकूप का मुद्दे पर जमकर बहस हुई थी। इस मुद्दे पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष संदीप यदू सहित अन्य कई सदस्यों के अलावा विधायक अनुज शर्मा एवं गुरू खुशवंत साहेब ने भी नाराजगी जताकर पीएचई विभाग के अफसर को अपने प्रश्नों से घेरा था। दोनों विधायकों ने अफसर से कहा था कि अगर हर दिन दो नलकूप खनन किया जाए, तो भी एक माह में 60 नलकूप का खनन किया जा सकता है। इसके बाद भी अप्रैल से 15 जून के दौरान विभाग ने मात्र 31 नलकूप ही खनन किया है।

पीएचई विभाग के अफसरों की लापरवाही आई सामने

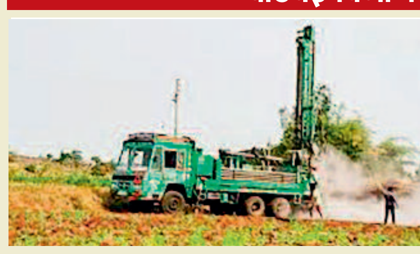

आरंग में सबसे ज्यादा हैंडपंप बंद

विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार जिले के चारों ब्लॉक में सबसे ज्यादा आरंग ब्लॉक में हैंडपंप बंद हैं। यहां सामान्य कारण से 34 तथा भू-जल स्तर सहित अन्य कारण से 130 हैंडपंप बंद हैं। इसी प्रकार अभनपुर में सामान्य एवं भूज-जल सहित अन्य कारण से 142, धरसींवा ब्लॉक में 135 तथा तिल्दा ब्लॉक में 157 बंद हैं। इसके अलावा सिंगल फेस पावर पंप में चारों ब्लॉक अंतर्गत कुल 137 बंद हैं।

598 में सामान्य कारण से 111 हैंडपंप बंद

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बंद हैंडपंपों में 111 सामान्य कारण से बंद पड़े हुए हैं। इन पंपों को सुधारा तक नहीं जा रहा है। इसी प्रकार गर्मी के सीजन में भू जल स्तर के नीचे जाने के कारण 487 हैंडपंप बंद हो गए थे। सूत्रों के अनुसार मानसून के आगमन के बाद बारिश होने से भू-जल स्तर बढ़ा है, जिससे बंद पड़े कुछ हैंडपंपों से पानी निकलने लगा है, लेकिन इनमें ज्यादातर अभी भी बंद हैं। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 8165 हैंडपंप है, जिनमें 5 सौ से ज्यादा अभी भी बंद हैं।

हैंडपंपों के भरोसे कई गांव

बारिश के सीजन में भी कई ग्रामों में शुद्ध पेयजल की समस्या बनी हुई है। जल जीवन मिशन अंतर्गत घर-घर दिए गए नल कनेक्शन अभी तक कई ग्राम में शुरू नहीं हो पाए हैं, जिसके कारण इन गांव के लोग हैंडपंप के भरोसे ही हैं। बारिश के सीजन में भूजल का स्तर बढ़ जाता है, जिसके कारण कई हैंडपंप से निकलने वाला पानी मटमेला हो जाता है, जिसे पीने के लिए ग्रामीण भी मजबूर हैं, क्योंकि शुद्ध पेयजल आपूर्ति का और कोई विकल्प नहीं है। इसे देखते हुए ही ऐसे गांव में नलकूप खनन का टारगेट पीएचई विभाग के अफसरों को मिला था, जिसे करने में वे विफल रहे हैं।

खबर संक्षेप

गंगरेल जलाशय से पानी छोड़ने की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष धनेन्द्र साहू ने कृषि एवं जल संसाधन मंत्री, कमिश्नर एवं कलेक्टर रायपुर, धमतरी को प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा, वर्तमान में बारिश नहीं होने के कारण अभनपुर विधानसभा और रायपुर जिले में पानी की कमी हो रही है। किसानों ने अपने खेत में धान का बियासी एवं रोपाई का कार्य लगभग पूरा कर लिया है। 10 प्रतिशत बियासी का कार्य बाकी है। पानी की कमी के कारण खेत सूखने लग गये हैं। सारे कृषि कार्य भी बंद पड़ा है एवं प्रभावित हो रहा है। गंगरेल जलाशय सहित विभिन्न जलाशयों में पानी का भराव पर्याप्त है। बारिश नहीं होने से चिंतित किसानों के लिए जलाशय से महानदी के मुख्य नहरों में पानी नही छोड़ा गया, तो किसानों को भारी नुकसान होगा। उन्होंने मांग की है कि महानदी मुख्य नहर से सिंचाई के लिए पानी छोड़ा जाए।

मंत्री नेताम ने केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ से की मुलाकात

रायपुर। छत्तीसगढ़ के किसान कल्याण एवं आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने इस मौके पर केन्द्रीय रक्षा मंत्री को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए बधाई दी। उन्होंने केन्द्रीय रक्षा मंत्री से छत्तीसगढ़ में चलाए जा रहे नक्सल अभियान के संबंध में भी चर्चा की। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा नियद नेल्लानार अभियान के तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जनजातियों के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पीएम जनमन योजना, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान, नियद नेल्लानार योजना के तहत आदिवासी परिवारों और उनकी बसाहटों को शत-प्रतिशत संतृप्त किया जा रहा है।

योगेश की बहनों से ऋचा ने बंधवाई राखी

रायपुर। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी की धर्मपत्नी ऋचा जोगी ने रक्षाबंधन पर्व पर बीरगांव स्थित स्व. योगेश साहू के निवास पर उनके परिवार से भेंट की। उल्लेखनीय है कि योगेश साहू ने 21 जुलाई 2016 को बेरोजगारी से तंग आकर मुख्यमंत्री निवास के सामने आत्महत्या कर ली थी। घटना के बाद अमित ने उनकी तीन बहन मंजू साहू, जानकी साहू और लक्ष्मी साहू को अपनी बहन बनाया, तब से उनके परिवार से जोगी परिवार का एक विशेष रिश्ता रहा है। अमित जोगी के प्रदेश से बाहर रहने के कारण, उनकी पत्नी ऋचा जोगी ने इस परंपरा को निभाया।

पशुधन सुरक्षा, नस्ल सुधार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगा संबल

साय ने कहा- गोधाम योजना से पशुधन संरक्षण नस्ल सुधार और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने और पशुधन संरक्षण को नई दिशा देने के लिए गोधाम योजना की शुरुआत करने जा रही है। यह योजना न केवल पशुधन की सुरक्षा और नस्ल सुधार को बढ़ावा देगी, बल्कि जैविक खेती, चारा विकास और गो-आधारित उद्योगों के माध्यम से गांव-गांव में रोजगार के नए अवसर भी खोलेगी। योजना का स्वरूप इस तरह तैयार किया गया है कि निराश्रित एवं घुमंतू गोवंशीय पशुओं की देखभाल के साथ-साथ चरवाहों और गोसेवकों को नियमित आय का स्थायी स्त्रोत उपलब्ध हो, जिससे ग्रामीण जीवन में आर्थिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता आ सके। गोधाम योजना के ड्राफ्ट को वित्त एवं पशुधन विकास विभाग से भी मंजूरी मिल चुकी है। गोधाम योजना का उद्देश्य गोवंशीय पशुओं का वैज्ञानिक पद्धति से संरक्षण एवं संवर्धन करना, गो-उत्पादों को बढ़ावा देना, चारा विकास कार्यक्रम को प्रोत्साहित करना, गोधाम को प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करना, ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराना तथा फसलों के नुकसान और दुर्घटनाओं में पशु एवं जनहानि से बचाव सुनिश्चित करना है।

स्थापना के लिए जमीन की खोज

ऐसी शासकीय भूमि, जहां सुरक्षित बाड़ा, पशुओं के शेड, पर्याप्त पानी और बिजली की सुविधा उपलब्ध हो, वहीं गोधाम की स्थापना की जाएगी। जिन गोठानों में पहले से अधोसंरचना विकसित है, वहां उपलब्धता के आधार पर गोठान से सटे चारागाह की भूमि को हरा चारा उत्पादन के लिए दिया जाएगा। इसके अलावा, यदि आसपास की पंजीकृत गोशाला की समिति संचालन के लिए असहमति व्यक्त करती है, तो अन्य स्वयंसेवी संस्था, एनजीओ, ट्रस्ट, फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी या सहकारी समिति संचालन के लिए आवेदन कर सकेगी।

एनएच के आसपास होंगे स्थापित

जिला प्रशासन के प्रस्ताव पर गोधाम स्थापित किए जाएंगे, जो पंजीकृत गोशालाओं से भिन्न होंगे। पहले चरण में छत्तीसगढ़ के प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में गौधाम स्थापित किए जाएंगे। जिला स्तरीय समिति प्राप्त आवेदनों का तुलनात्मक अध्ययन कर चयनित संस्था का नाम छत्तीसगढ़ राज्य गो सेवा आयोग को भेजेगी। मंजूरी के बाद चयनित संस्था और आयोग के बीच करार होगा, जिसके बाद गोधाम का संचालन उस संस्था को सौंपा जाएगा।

चरवाहों को मिलेगा मानदेय

गोधाम योजना के तहत चरवाहों को 10,916 रुपए प्रतिमाह और गोसेवकों को 13,126 रुपए प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। इसके साथ ही मवेशियों के चारे के लिए प्रतिदिन निर्धारित राशि प्रदान की जाएगी। उत्कृष्ट गोधाम को वहां रहने वाले प्रत्येक पशु के लिए प्रतिदिन के हिसाब से राशि दी जाएगी। योजना के लिए बजट, नियम और शर्तें तय कर दी गई हैं।

पशुधन की सुरक्षा और गांवों में रोजगार बढ़ाएगी गोधाम योजना

मुख्यमंत्री ने कहा, गोधाम योजना से प्रदेश में पशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और बड़ी संख्या में चरवाहों एवं गोसेवकों को नियमित आय का साधन मिलेगा। उन्होंने कहा, पशुओं की नस्ल सुधार कर उन्हें अधिक दूध देने और खेती-किसानी में पूरी क्षमता से उपयोग करने योग्य बनाया जा सकेगा। साथ ही जैविक खेती और चारा विकास कार्यक्रमों को भी गति मिलेगी, जिससे ग्राम स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और गांवों की अर्थव्यवस्था सशक्त होगी।

भाजपा आदिवासी मुख्यमंत्री बनाकर जंगलों को बाहरी लोगों के हवाले कर रही : भूपेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, उन्होंने आदिवासी मुख्यमंत्री के रहते तमनार में लाखों पेड़ों की कटाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, भाजपा आदिवासी मुख्यमंत्री बनाकर जंगलों को बाहरी लोगों के हवाले कर रही है और आदिवासियों को उनके संसाधनों से वंचित कर रही है।

■ भोजली महोत्सव के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए पूर्व सीएम

राजधानी रायपुर के इंडोर स्टेडियम में भोजली महोत्सव के समापन कार्यक्रम में प्रदेशवासियों को विश्व आदिवासी दिवस और रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा, आज ही के दिन 'अंग्रेज़ों भारत छोड़ो' का नारा दिया गया था और भोजली महोत्सव प्रकृति के श्रृंगार का प्रतीक है। आदिवासी समाज हमेशा प्रकृति के साथ रहकर जीवन जीता है और इस तरह के पर्व हर साल पूरे उत्साह के साथ मनाए जाते हैं।

बैज ने कहा- प्रदेश सरकार आदिवासी समाज का कर रही अपमान

लगातार दूसरे साल भाजपा सरकार ने विश्व आदिवासी दिवस नहीं मनाया। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, भाजपा सरकार प्रदेश की सबसे बड़ी आबादी आदिवासी समाज का अपमान कर रही है। विश्व आदिवासी दिवस आदिवासियों के गौरव और अस्मिता से जुड़ा हुआ है। आरएसएस अपनी संस्कृति को आदिवासी समाज पर थोपना बंद करे। आदिवासी समाज विश्व आदिवासी दिवस के दिन जो आयोजन करता है, उसमें सरकार अपनी भूमिका से स्पष्ट करे। कांग्रेस की सरकार के पांच साल में राज्य की पुरातन आदिवासी संस्कृति को दुनिया के सामने लाने का प्रयास हुआ। विश्व आदिवासी नृत्य महोत्सव जैसे आयोजन हुए, जिसके माध्यम से हम अपनी संस्कृति, खान पान दुनिया के सामने गौरव पूर्ण ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

राष्ट्रीय संगठन से मिल चुकी है मंजूरी, अब चार के स्थान पर तीन महामंत्री होंगे

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव की नई टीम का ऐलान कभी भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव की नई कार्यकारिणी का ऐलान कभी भी हो सकता है। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन से संभावित कार्यकारिणी को मंजूरी मिल चुकी है। दिल्ली में हुई बैठक में सबसे अहम महामंत्रियों के पदों को लेकर चर्चा हुई है। पिछली कार्यकारिणी में प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय के अलावा चार महामंत्री रखे गए थे, लेकिन इस बार प्रदेश संगठन महामंत्री के अलावा तीन ही महामंत्री रखने का फैसला किया गया है। इनमें एक एससी और एक ओबीसी वर्ग का महामंत्री तो लगभग तय कर दिया गया है। अब एक और महामंत्री पर फैसला बाकी है। सामान्य वर्ग से भी दो नाम सामने आ रहे हैं, इसमें एक नाम पूर्व सांसद अभिषेक सिंह और पूर्व विधायक रजनीश सिंह का है, लेकिन सामान्य वर्ग का अध्यक्ष होने के कारण सामान्य वर्ग से महामंत्री न रखने की बात भी सामने आ रही है। ऐसी स्थिति में एसटी वर्ग से कोई नाम सामने आ सकता है।

प्रदेश में भाजपा संगठन के जिलों के चुनावों के बाद किरण देव को 17 जनवरी को पूर्णकालिक अध्यक्ष बनाया गया था। भाजपा का प्रदेशाध्यक्ष बने किरण देव को सात माह हो गए हैं, लेकिन अब तक प्रदेश की कार्यकारिणी नहीं बन सकी है। किरण देव ने पहले कहा था मंडलों के बाद जिलों की कार्यकारिणी तय होने के बाद प्रदेश की कार्यकारिणी बनेगी। मंडलों की कार्यकारिणी तो बन गई है, इसी के साथ करीब एक दर्जन जिलों की कार्यकारिणी का भी ऐलान हो चुका है। अब किरण देव की कार्यकारिणी को लेकर यह बात सामने आ रही है कि उनकी कार्यकारिणी का ऐलान कभी भी हो सकता है।

मोर्चा अध्यक्षों पर भी चर्चा

प्रदेश कार्यकारिणी के साथ ही सात मोर्चा के अध्यक्ष भी घोषित किए जाते हैं। इन मोर्चा में सबसे अहम भाजयुमो, महिला और किसान मोर्चा है। भाजयुमो की अहमियत सबसे ज्यादा रहती है। इस मोर्चा के लिए आधा दर्जन नामों पर मंथन किया गया है। इसी के साथ दूसरे मोर्चा के लिए भी अध्यक्षों के नाम लगभग फाइनल हैं। भाजपा के प्रदेश मीडिया विभाग में भी फेरबदल होने की बात सामने आ रही है। प्रदेश के प्रवक्ताओं में भी फेरबदल होगा। कुछ प्रवक्ताओं को प्रमोट करके प्रदेश मंत्री बनाया जा सकता है। इसी के साथ वर्तमान में जो दो महामंत्री रामजी भारती और भरत वर्मा हैं, उनको उपाध्यक्ष बनाए जाने की संभावना है।

राष्ट्रीय संगठन से मिल चुका है अनुमोदन

दिल्ली में इस माह के पहले ही दिन भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय की प्रदेश संगठन को लेकर बड़ी बैठक हुई थी। इसमें मुख्य रूप से प्रदेश संगठन के महामंत्रियों को लेकर मंथन किया गया। जानकारों का कहना है कि एससी वर्ग से पूर्व विधायक नवीन मार्कंडेय और ओबीसी वर्ग से सरगुजा संभाग के अखिलेश सोनी का नाम लगभग फाइनल हो गया है। तीसरा नाम अभी फाइनल नहीं है।

वैसे सामान्य वर्ग से भी दो नाम एक राजनांदगांव के पूर्व सांसद अभिषेक सिंह और एक बिलासपुर संभाग के रजनीश सिंह का नाम भी लिया जा रहा है। लेकिन जानकारों का यह भी कहना है कि सामान्य वर्ग को लेकर एक पेंच फंसा हुआ है, क्योंकि सामान्य वर्ग से ही किरण देव अध्यक्ष हैं। ऐसे में संभव है कि सामान्य वर्ग से महामंत्री न बनाया जाए। तीसरे महामंत्री को लेकर लगातार मंथन भी चल रहा है। जानकारों का कहना है कि तीसरे महामंत्री का नाम भी लगभग फाइनल है, लेकिन इसका खुलासा नहीं किया जा रहा है।

गृहमंत्री, वनमंत्री को आत्मसमर्पित माओवादी बहनों ने बांधा रक्षासूत्र

रायपुर। दंतेश्वरी फाइटर्स से जुड़ी आत्मसमर्पित महिला नक्सलियों ने शनिवार को दंतेवाड़ा में गृहमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप को रक्षा सूत्र बांधकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का संदेश दिया। मंत्री द्वय ने इस मौके पर कहा कि हम सब यहां एक ऐसे अद्भुत और प्रेरणादायी क्षण के साक्षी हैं, जहां हमारी बहनों ने नक्सलवाद के रास्ते को छोड़कर विकास की मुख्यधारा का मार्ग अपनाया है। ये वही बहनें हैं, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों और संघर्षों को पार करते हुए समाज में सम्मान और शांति के साथ जीवन यापन का संकल्प लिया है। गृमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि जो भी बहनें आज भी भटकाव के उस रास्ते पर हैं, यदि वे मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लेंगी, तो पूरा समाज उन्हें खुले हृदय से अपनाएगा। हम उन्हें बहन का स्थान देंगे, उनकी सुरक्षा और सम्मान की पूरी जिम्मेदारी निभाएंगे, और उनके जीवन यापन के लिए हर संभव सहायता करेंगे। रक्षाबंधन सिर्फ एक पर्व नहीं, बल्कि विश्वास, अपनापन और एक-दूसरे की सुरक्षा का संकल्प है।

■ गृहमंत्री बोले- दंतेश्वरी फाइटर्स बहनों का शौर्य अन्य बहनों के लिए अनुकरणीय

सुकमा, दंतेवाड़ा, नारायणपुर, सूरजपुर समेत कई जिलों में सेंट्रल लाइब्रेरी

34 नए नालंदा परिसर बनेंगे, नगरीय प्रशासन विभाग ने दी मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार 34 नए नालंदा परिसर बनाने जा रही है। ये नालंदा परिसर केवल रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, भिलाई, रायगढ़ जैसे बड़े शहरों में ही नहीं बन रहे, बल्कि दूरस्थ वनांचलों के सुकमा, दंतेवाड़ा, नारायणपुर, सूरजपुर, बैकुंठपुर, चिरमिरी, कुनकुरी, जशपुर, बलरामपुर, पेंड्रा जैसे शहरों में भी बन रहे हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने 33 नए नालंदा परिसरों के लिए राशि स्वीकृत की है। इन सेंट्रल लाइब्रेरीज-सह-रीडिंग जोन्स से प्रदेशभर के युवाओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अच्छा माहौल मिलेगा। उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अच्छी पुस्तकें भी मिलेंगी। प्रदेश के हर वर्ग के युवाओं के करियर निर्माण में ये लाइब्रेरीज काफी मददगार और अहम साबित होंगी। इन सर्वसुविधायुक्त, अत्याधुनिक लाइब्रेरी में युवाओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पढ़ाई की सुविधा मिलेगी।

दस शहरों में 500 सीटर और 22 में 250 सीटर लाइब्रेरी बनेंगी : दस नगरीय निकायों में 500 सीटर और 22 शहरों में 250 सीटर लाइब्रेरी बनाए जाएंगे। दुर्ग, राजनांदगांव, अंबिकापुर, जगदलपुर, बिलासपुर और भिलाई नगर निगम तथा जशपुर, लोरमी एवं गरियाबंद नगर पालिका में 500-500 सीटर नालंदा परिसरों का निर्माण किया जाएगा। वहीं धमतरी और चिरमिरी नगर निगम, कवर्धा, जांजगीर-नैला, बालोद, बलौदाबाजार, बेमेतरा, कांकेर, नारायणपुर, बलरामपुर, मुंगेली, खैरागढ़, सक्ती, पेंड्रा, सारंगढ़, सूरजपुर, बैकुंठपुर, दंतेवाड़ा एवं सुकमा नगर पालिका तथा कुनकुरी, बसना और अंबागढ़-चौकी नगर पंचायत में 250-250 सीटर सेंट्रल लाइब्रेरी-सह-रीडिंग जोन बनाए जाएंगे।

सभी सुविधाएं मुहैया कराने प्रतिबद्ध- साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने प्रदेशभर में नालंदा परिसरों के विस्तार के बारे में कहा, सरकार युवाओं के सपनों को साकार करने सभी सुविधाएं मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सर्वसुविधायुक्त ये लाइब्रेरियां उच्च शिक्षा हासिल कर रहे तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को उत्कृष्ट अध्ययन सामग्री भी प्रदान करेंगी।

रायपुर में अभी तीन लाइब्रेरी संचालित, दो और बनेंगी

राजधानी रायपुर में अभी तीन सेंट्रल लाइब्रेरी-सह-रीडिंग जोन संचालित हैं। इनमें एक हजार सीटर नालंदा परिसर-सह-ऑक्सी रीडिंग जोन, 800 सीटर तक्षशिला सेंट्रल लाइब्रेरी-सह-स्मार्ट रीडिंग जोन और 500 सीटर सेंट्रल लाइब्रेरी शामिल हैं। रायपुर में जल्दी ही एक हजार सीटर और 500 सीटर नई लाइब्रेरी का काम प्रारंभ होगा।

युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की बुनियाद- साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, छत्तीसगढ़ सरकार युवाओं के सपनों को उड़ान देने का काम कर रही है। छत्तीसगढ़ के हर क्षेत्र के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का अवसर मिले, इसके लिए हम अलग-अलग क्षेत्र के शहरों में नालंदा परिसरों का निर्माण कर रहे हैं। ये नालंदा परिसर सिर्फ इमारत नहीं, युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की बुनियाद हैं।

सरकारी स्कूलों में योग शिक्षकों का अभाव, डिग्रीधारी हैं बेरोजगार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| आरंग

योग को स्वस्थ जीवन और मानसिक संतुलन का मूल आधार माना जाता है। केंद्र और राज्य सरकारें समय-समय पर योग के महत्त्व पर जोर देती हैं, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बड़े-बड़े आयोजन करती हैं, किंतु विडंबना यह है कि छत्तीसगढ़ के अधिकांश सरकारी स्कूलों में आज भी पीटीआई की तरह योग शिक्षक की कोई स्थायी व्यवस्था नहीं है। निजी स्कूलों में योग शिक्षक रखकर बच्चों को नियमित प्रशिक्षण दिया जा रहा है, वहीं सरकारी स्कूलों में योग सिर्फ वार्षिक कार्यक्रमों तक सिमट कर रह गया है। इस बीच, प्रदेश में सैकड़ों युवा योग में डिग्री, डिप्लोमा और परास्नातक तक की पढ़ाई कर चुके हैं, लेकिन नियुक्ति के अवसर न मिलने से बेरोजगार घर बैठे हैं।

स्कूलों में योग सिर्फ वार्षिक कार्यक्रमों तक सिमटा

फाइल फोटो

खेल की तरह योग शिक्षकों की हो नियुक्तियां

छात्र-छात्राओं और अभिभावकों का कहना है कि जब सरकार योग को जरूरी मानती है, तो उसे खेल शिक्षकों की तरह योग शिक्षकों की भी अनिवार्य नियुक्ति करनी चाहिए। "अगर योग शिक्षक जरूरी नहीं है, तो फिर विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में योग विषय की डिग्री क्यों दी जाती है?" – यह सवाल डिग्रीधारी बेरोजगार युवाओं के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। शिक्षाविदों का मानना है कि बचपन से योगाभ्यास बच्चों में एकाग्रता, अनुशासन और स्वास्थ्य लाभ देता है। पीटीआई की तरह हर स्कूल में एक प्रशिक्षित योग शिक्षक नियुक्त करने से खेलकूद और योग, दोनों के संतुलित विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।प्रदेश में हाल के वर्षों में योग प्रशिक्षकों की स्थायी भर्ती को लेकर कोई ठोस पहल नहीं हुई है। जबकि राजस्थान और हिमाचल जैसे राज्यों ने पायलट प्रोजेक्ट और विशेष भर्ती योजनाओं के माध्यम से योग शिक्षा को स्कूल स्तर पर लागू करने की शुरुआत कर दी है।योग डिग्रीधारी युवाओं का कहना है कि सरकार को चाहिए कि या तो सभी सरकारी स्कूलों में योग शिक्षकों की व्यवस्था करे, या फिर योग में डिग्री प्रदान करने के कोर्स को सीमित कर दे, ताकि बेरोजगारों की संख्या न बढ़े।

खबर संक्षेप

अरहर मिनीकिट का वितरण किया गया

तरपोंगी। कृषि विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत कृषि व संबंधित विभागों में 4% से अधिक की वार्षिक वृद्धि दर को प्राप्त करने के उद्देश्य से तथा दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से कृषकों को कृषि विभाग द्वारा ग्राम तरपोंगी (मोहदा) समिति में निः शुल्क अरहर मिनीकिट का जनपद सदस्य देवेंद्र वर्मा के हाथों वितरण किया गया। इस अवसर पर ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी कोसम कुमार साहू के द्वारा कृषकों को फसल बीमा की अंतिम तिथि बढ़कर 14 अगस्त होने की जानकारी दी, रागी ,दलहनी और तिलहनी फसलों की खेती के बारे में बताया गया। इस अवसर पर समिति प्रबंधक सुरेंद्र बघेल, सुपरवाइजर शत्रुघन फेकर, कृषक मित्र संतोष वर्मा,कृषक मंगतू धीवर, राधेश्याम वर्मा, बैसाखू धीवर, जोहन साहू, राजकुमार पटेल, नारायण वर्मा, सोनू मोहरे, छम्मन लाल ध्रुव आदि उपस्थित थे।

शिक्षक के साथ बच्चों ने अनूठी राखी मनाई

आरंग। भारत में प्रचलित प्रमुख त्यौहारों में से एक रक्षाबंधन का पवित्र त्यौहार जिसमे बहनों द्वारा भाईयो की कलाई में राखी बांधी जाती है तथा भाईयो द्वारा बहन की सुरक्षा का वचन दिया जाता है। आज के वर्तमान युग में हमे सभी क्षेत्रों में सुरक्षा का संकल्प लेना चाहिए इसी बात पर गौर करते हुए शिक्षक गोपाल शुक्ला द्वारा अनूठा कदम उठाया गया। उनके द्वारा बच्चो के द्वारा अनाज को, भगवान को, शिक्षा के साधन को, समाचार पत्र को, मुद्रा को राखी बंधवाया गया और सिखाया गया कि वर्तमान से मुद्रा का सही उपयोग सही शिक्षा के लिए करे। अनाज का सही उपयोग जंक फूड की जगह करे। माता पिता को भगवान की तरह पूजे और इन सभी की सही उपयोग और सुरक्षा का संकल्प ले।

ब्रह्माकुमारियों ने राखी बंधी और दिया समता का संदेश

आरंग। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय आरंग स्थानीय सेवा केन्द्र में आरंग और आस-पास के सैकड़ो भाई बहने पहुचें हुए थे। जिसमे लता दीदी ने कहा रक्षा बंधन का त्योहार भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है, चिरातीत काल से ही बहने भाई की कलाई पर श्रावणी पूर्णिमा को राखी बांधती चली आ रही है इस दिन बहने भाई को रांखी बांधती है और उनका मुख मीठा कराती है। भाई अपने हृदय में अपनी बहन के प्रति स्नेह-समुद्र को बटोरे हुए सहर्ष ही इसे स्वीकार कर लेता है। राखी मजबूत करती है मर्यादाओं की डोर, फिर बहने विधायक कार्यालय जाकर विधायक गुरू खुशवंत साहेब को राखी बांधे।

शिक्षा जगत : दाऊ पोषन लाल स्कूल में लडखड़ा रही शिक्षा व्यवस्था

शिक्षकों की कमी और पुस्तकों के अभाव में शिक्षा व्यवस्था बिगड़ी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| धरसींवा

धरसींवा ब्लॉक में शिक्षा की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। यह सिर्फ शिक्षकों और किताबों की कमी का मामला नहीं, बल्कि शिक्षा विभाग और पूरे सिस्टम की अनदेखी का नतीजा है। सरकारी उदासीनता के बीच, नौनिहालों का भविष्य अंधेरे में घिरता जा रहा है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है दाऊ पोषन लाल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परसतराई, जहां से इस गंभीर समस्या नही है बल्कि कई ऐसे स्कूल है जंहा विद्यार्थियों की पढ़ाई सिस्टम के आगे बेबस है।

- हिन्दी और अंग्रेजी के चक्रव्यूह में विद्यार्थी और शिक्षक फंसे

परसतराई हाई स्कूल में शिक्षकों की कमी: दाऊ पोषन लाल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परसतराई में शिक्षा व्यवस्था का हाल ऐसा है कि पिछले दो साल से शाला विकास समिति निजी तौर पर तीन शिक्षकों को वेतन देकर स्कूल चला रही है। यह स्थिति दिखाती है कि सरकारी सिस्टम कितना फेल हो चुका है। अब मिडिल स्कूलों में भी शिक्षकों की कमी को पूरा करने के लिए शाला विकास समिति पर निजी शिक्षक रखने का दबाव बनाया जा रहा है। यह एक ऐसी मजबूरी है, जहाँ सिस्टम की विफलता का बोझ अभिभावकों पर डाला जा रहा है।

युक्तिकरण के नाम पर खिलवाड़

सरकार की युक्तिकरण नीति ने स्थिति को और भी खराब कर दिया है। अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में हिंदी माध्यम के शिक्षकों की नियुक्ति कर दी गई है। यह शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के साथ अन्याय है। बच्चों को अंग्रेजी कौन पढ़ाएगा, जब खुद शिक्षक उस भाषा में सहज नहीं हैं? यह एक ऐसा चक्रव्यूह है, जिसमें बच्चे फंस गए हैं। हिंदी और अंग्रेजी माध्यम के बीच फंसा बचपन इस क्षेत्र में एक और बड़ी समस्या है, जिसने बच्चों को मानसिक रूप से परेशान कर दिया है। धरसींवा ब्लॉक में कक्षा एक से आठ तक एकमात्र सीबीएसई अंग्रेजी माध्यम स्कूल है, जबकि आस-पास के गाँवों में हिंदी माध्यम के स्कूल हैं।

किताबों का इंतजार और बेहाल बच्चे

पूर्व माध्यमिक विद्यालय परसतराई जैसे स्कूलों की दुर्दशा पर उच्च अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं। नया सत्र शुरू हुए कई महीने हो चुके हैं, लेकिन कक्षा आठवीं के सीबीएसई की किताबें आज तक नहीं पहुंची हैं। बिना किताबों के बच्चे स्कूल तो जा रहे हैं, पर पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। यह एक ऐसी व्यवस्था है, जहां बच्चों को शिक्षा के नाम पर सिर्फ स्कूल जाने की औपचारिकता पूरी करनी पड़ रही है। इस पर न तो कोई सवाल उठता है और न ही कोई जवाब मिलता है।

शाला विकास और अभिभावकों की मजबूरी

इन सभी समस्याओं का सीधा असर अभिभावकों पर पड़ रहा है। वे अब खुद ही समाधान खोजने पर मजबूर हैं। बच्चों को पढ़ाने के लिए निजी शिक्षकों की व्यवस्था करने पर जोर दिया जा रहा है। लेकिन सवाल यह है कि इसका खर्च कौन उठाएगा? यदि शाला विकास समिति की राशि निजी शिक्षकों पर खर्च होगी, तो स्कूल के अन्य विकास कार्य और खर्च कैसे पूरे होंगे? यह पूरा मामला एक गंभीर चेतावनी है कि यदि शिक्षा विभाग और सरकार ने जल्द ही इस पर ध्यान नहीं दिया, तो धरसींवा के बच्चों का भविष्य घसीटता रहेगा और वे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित हो जाएंगे।

किताबें शीघ्र पहुंचाई जाएगी

स्कूल में अंग्रेजी विषय के लिए शिक्षक नही है इसकी जानकारी मिली है जिसे जल्द ही विभाग द्वारा पूरी कर लिया जाएगा वही कक्षा 08 वी की किताब स्कूलों में जल्द ही पहुच जाएगी। विद्यार्थियों की पढ़ाई में किसी प्रकार की बाधा नही आएगी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने रक्षाबंधन पर सुरक्षा व समता का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▸▸| तिल्दा नेवरा

वर्तमान समय में हिंदू समाज को बांटने के लिए कई तरह से प्रयास किया जा रहा है सैकड़ों वर्षों तक विदेशी शासकों से संघर्ष करते रहने के कारण समाज रूपी शरीर अस्पृश्यता, जातिगत भेदभाव, भाषावाद, क्षेत्रवाद जैसी बीमारियों से ग्रस्त है उसे मिटाना है कई बार ऐसा लगता है कि मानो समाज रूपी शरीर में अपने अंग की पीड़ा को अनुभव करने की संवेदनशीलता नष्ट हो गई है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रक्षाबंधन पर्व के माध्यम से समाज में एकता, प्रेम, सुरक्षा व समरसता का संदेश देता है।" उक्त उद्गार थे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तिल्दा-नेवरा महर्षि अरविन्द शाखा खंड द्वारा आयोजित रक्षाबंधन उत्सव में मुख्य वक्ता श्री पवन पानसे के। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण समाज संगठित होकर राष्ट्र को परम वैभव के शिखर पर पहुंचाएं जिससे खोई हुई प्रतिष्ठा पुनः प्राप्त हो सके और यह तभी संभव होगा जब हम समाज के उपेक्षित समझे जाने वाले पीड़ित बन्धुओं के साथ आत्मीयता दिखाते हुए उन्हें हृदय से लगाकर रक्षा सूत्र बांधे और उनके सुख-दुःख में भागीदार बनें। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने उपस्थित नागरिकों ने परम पवित्र भगवा ध्वज की पूजा अर्चना कर एक-दूसरे को इस मंत्र के साथ राखी बांधा कि "मैं आपकी रक्षा करूंगा, आप मेरी रक्षा करेंगे और हम दोनों मिलकर देश और समाज की रक्षा करेंगे।

कार्यक्रम के पश्चात जिला सरसंघचालक देवेन्द्र सिंह ठाकुर जी के मार्ग दर्शन में स्वयंसेवकों ने सेवा बस्ती पहुंचकर रक्षा सूत्र बांधा और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

पेज 11 के शेष ...

मुन्ना भाई एमबीबीएस...

अधिकारी (सीएमएचओ) से लेकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छत्तीसगढ़ (एनएचएम) से मांगी। एनएचएम ने इस मामले में सीएमएचओ के माध्यम से डाक्टर राहुल को एमबीबीएस की डिग्री एवं मेडिकल काउंसिल में रजिस्ट्रेशन के दस्तावेज जमा करने कहा था, लेकिन दी गई समय-सीमा खत्म होने के कई महीनों बाद भी जमा नहीं किए, जिसके बाद एनएचएम ने राहुल की नियुक्ति में गड़बड़ी हुई है, मानते हुए बर्खास्त कर दिया है।

वर्ष 2018 में हुई थी नियुक्ति : विभागीय सूत्रों के अनुसार डा. राहुल अग्रवाल की नियुक्ति राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छत्तीसगढ़ के माध्यम से वर्ष 2018 में की गई थी। उसकी नियुक्ति सबसे पहले रायपुर स्थित खोखोपारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में की गई थी। बर्खास्तगी के पहले वह मठपुरैना प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ था। बताया जा रहा है कि वह जिला अस्पताल में भी करीब सालभर पदस्थ रहा है।

मुन्ना भाई के किरदार में सात साल तक करता रहा मरीजों का इलाज : नियुक्ति के बाद बिना एमबीबीएस की डिग्री एवं मेडिकल काउंसिल में पंजीयन के वह इतने वर्षों से मुन्ना भाई का किरदार निभाते हुए मरीजों का इलाज भी करता रहा। बिना डिग्री-प्रेक्टिस के राहुल अग्रवाल ने मरीजों का किस तरह से इलाज किया होगा, यह भी जांच का विषय है। बताया जा रहा है कि राहुल अग्रवाल कायाकल्प तथा पीसीपीएनडीटी (गर्भारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम 1994) टीम का हिस्सा भी रहा है।

एनएचएम की नियुक्ति पर भी उठा सवाल : प्रदेश में राहुल अग्रवाल के रूप में फर्जी नियुक्ति के मामले का खुलासा होने के बाद अब एनएचएम छत्तीसगढ़ पर भी सवाल उठने लगा है, क्योंकि राहुल की नियुक्ति भी एनएचएम ने ही की है। इससे पता चलता है कि नियुक्ति में या तो गड़बड़ी हुई है या फिर डिग्री और मेडिकल काउंसिल में पंजीयन के नियम को दरकिनार कर राहुल की नियुक्ति हुई है।

कई और मुन्ना भाई मिलने की संभावना : जिस तरह से डा. राहुल की नियुक्ति हुई है, उससे यह भी संभावना जताई जा सकती है कि प्रदेश में ऐसे और भी कई मामले हो सकते हैं, जिनमें मुन्ना भाइयों की नियुक्ति हुई है।

दस्तावेज जमा करने....

इसके बाद भी वह दस्तावेज जमा नहीं कर पाया। इस बीच राहुल की मांग पर हाईकोर्ट ने एक माह का अतिरिक्त समय भी दिया था, पर वह दस्तावेज जमा नहीं कर पाया। इसके बाद हाईकोर्ट ने राहुल की याचिका को खारिज कर दिया। इस तरह राहुल अग्रवाल एमबीबीएस की डिग्री तथा मेडिकल काउंसिल पंजीयन के दस्तावेज जमा नहीं कर पाया, जिसे आधार मानते हुए एनएचएम ने उसकी सेवा समाप्त कर दी।

रक्षाबंधन में एक पैग...

बड़े अक्षरों में 'बाई वन, गेट वन फ्री' लिखा है। क्लब का यह प्रचार सोशल मीडिया और वॉट्सएप ग्रुप्स से फैलकर बजरंग दल तक पहुंच गया। संगठन ने इसे भारतीय संस्कृति का अपमान बताया और आयोजन होने पर क्लब के घेराव की चेतावनी दी है।

एसएसपी की चेतावनी का असर नहीं : तीन माह पूर्व एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने होटल, क्लब संचालकों की बैठक लेकर उन्हें शराब का किसी भी तरह से प्रमोशन नहीं करने चेतावनी दी थी। साथ ही शराब के साथ किसी भी तरह से फ्री ऑफर नहीं चलाए जाने की चेतावनी दी थी। बावजूद इसके क्लब संचालकों पर एसएसपी की चेतवनी का असर होता नहीं दिख रहा। यही कारण है, क्लब प्रबंधन ने रक्षाबंधन जैसे पर्व में शराब परोसने ऑफर जारी किया है।

ऑफर का खेल रात 10 के बाद शुरू होता है : जिन होटल क्लब तथा बार में फ्री ऑफर दिया जाता है, वहां ऑफर की शर्तें रात 10 के बाद शुरू होती हैं। इसकी पुष्टि हरिभूमि के स्टिंग ऑपरेशन में हुई थी। नियम के मुताबिक शराब परोसने वाले होटल, क्लब तथा बार को रात 11 बजे अनिवार्य रूप से बंद करने का नियम है। ऐसे में ऑफर की स्कीम रात 10 बजे के बाद शुरू होने पर देर रात तक क्लब में शराबखोरी होना आवश्यक है। पुलिस के दावों के मुताबिक रात 11 बजे के बाद सभी बार, क्लब तथा होटल बंद करा दिए जाते हैं।

पुलिस के संज्ञान लेने के बाद ऑफर निरस्त : आईपी क्लब द्वारा शराब परोसने ऑफर के विज्ञापन को पुलिस ने संज्ञान में लेते हुए क्लब संचालक से पूछताछ की। एसएसपी के अनुसार क्लब संचालक ने ऑफर निरस्त करते हुए माफीनामा लिखकर दिया है। एसएसपी के अनुसार क्लब संचालक को शराब प्रमोशन करने तथा शराब में किसी भी तरह के विज्ञापन जारी करने पर सख्त कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है।

पाक ड्रग कनेक्शन से...

कई और लोगों को गिरफ्तार कर सकती है। पूर्व में पकड़े गए ड्रग तस्करों से पूछताछ में पुलिस को कई चौंकाने वाली जानकारी मिली है। संवेदनशील मामला होने तथा जांच में केंद्रीय टीम के शामिल होने की वजह से पुलिस इस मामले में कुछ भी बोलने से बच रही है। पुलिस ने पाकिस्तान से जुड़े ड्रग तस्करी मामले में कृष्णा नगर तथा विकास नगर में छापे की कार्रवाई करते हुए रविंद्र कुमार साहू तथा अभिषेक रजक को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों ने ड्रग आपूर्ति करने का अपराध कबूल किया है। दोनों कुरियर ब्वाय को पुलिस ने पूर्व में पकड़े गए ड्रग तस्करों की निशानदेही पर गिरफ्तार किया है। फिलहाल इस बात की जानकारी नहीं मिल पाई है कि दोनों लड़के ड्रग लेते थे या नहीं। रविंद्र तथा अभिषेक ड्रग तस्करों के संपर्क में कब तथा कैसे आए, पुलिस इसकी जानकारी जुटा रही है।

सबसे आसान ड्रग तस्करी : गांजा सहित अन्य मादक पदार्थों की तस्करी करने तस्करों को कई चुनोतियों का सामना करना पड़ता है। ड्रग तस्करी करने उतनी चुनौती नहीं रहती। साथ ही ड्रग को खपाना भी आसान रहता है। एक बार किसी को ड्रग की लत लग जाए, तो वह कैसे भी कर ड्रग हासिल करने कोशिश करता है। एक छोटे पैकेट में लाखों का हेरोइन चिट्टा आ जाता है, जिसे तस्करी कर एक जगह से दूसरी जगह आसानी से तस्करी कर ले जाया जा सकता है।

ढाई सौ बैंक अकाउंट...

ने फिलहाल फ्रीज नहीं कराया है। पुलिस के अनुसार तस्करों ने अपने बैंक अकाउंट में जमा पैसे निकाल लिए हैं। उनके अकाउंट में मिनिमम बैलेंस से कुछ ज्यादा होने की जानकारी मिली है।

रक्षाबंधन का त्योहार हर्षोल्लास से मनाया

तिल्दा नेवरा। तिल्दा नेवरा शहर क्षेत्र में रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। राखी का पर्व आज मनाया गया बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर अपनी रक्षा का वचन लिए, वही भाइयों द्वारा अपनी बहनों को उपहार स्वरूप नगदी, कपड़े उपहार आदि गिफ्ट भी दिए। वहीं रक्षाबंधन के पावन अवसर पर ब्रम्हकुमारी प्रजापिता की प्रियंका बहन द्वारा सांसद प्रतिनिधि राम पंजवानी के निज निवास में पहुंचकर रक्षा सूत्र बांधकर आशीर्वाद प्रदान किया। साथ ही तिल्दा नेवरा शहर व क्षेत्र में भाई-बहन का यह अटूट प्रेम का पर्व रक्षाबंधन बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।

विधायक कार्यालय में राखी पर उत्सवी माहौल

हरिभूमि न्यूज ▸▸| आरंग

राखी के पावन पर्व पर क्षेत्र की बहनें रायपुर निवास कार्यालय और आरंग के नेता जी चौक स्थित विधायक कार्यालय पहुँचीं और गुरु खुशवंत साहेब जी (कैबिनेट मंत्री दर्जा, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण, छग शासन) को राखी बांधकर उनके दीर्घायु, सुख-समृद्धि एवं जनसेवा में निरंतर प्रगति की कामना की। इस अवसर पर गुरु खुशवंत साहेब ने बहनों के स्नेह के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पर्व भाई-बहन के पवित्र रिश्ते और आपसी विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने क्षेत्र की सभी बहनों को अपनी ओर से राखी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में उपस्थित बहनों ने कहा कि गुरु खुशवंत साहेब हमेशा बहनों और माताओं के सम्मान व अधिकार की रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं, इसी कारण उनके साथ यह आत्मीय रिश्ता वर्षों से बना हुआ है। साथ ही प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय परिवार की बहनों ने भी कार्यालय में पहुँचकर गुरु खुशवंत साहेब को राखी बांधी और उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की।

विधायक खुशवंत को पद्मणी ने बंधी राखी

आरंग। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर जनपद सदस्य एवं महिला मोर्चा अध्यक्ष आरंग पदमणी साहू शनिवार को आरंग विधायक कार्यालय पहुँचीं और विधायक गुरु खुशवंत साहेब को राखी बाँधकर उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं जनसेवा में निरंतर प्रगति की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर विधायक कार्यालय का माहौल भाई-बहन के स्नेह व पारिवारिक भावनाओं से सराबोर हो गया। राखी बांधने के बाद जनपद सदस्य पदमणी साहू ने कहा "रक्षा बंधन भाई-बहन के अटूट विश्वास और स्नेह का प्रतीक है। विधायक को राखी बांधकर मैंने भाई के रूप में उनके सुख, समृद्धि और लंबी उम्र की कामना की है। यह पर्व हमें आपसी सहयोग और सुरक्षा की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है।" इस मौके पर विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने भावुक होते हुए कहा "रक्षा बंधन केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि आपसी प्रेम और सामाजिक एकता का संदेश है।

न्यायालय - एकादश जिला न्यायाधीश, रायपुर छ.ग.

प्रकरण क्रमांक-52 / 2024 प्रोसेस क्रमांक-975 / 2025
पेशी दिनांक- 24.09.2025

मनीषा ठाकरे व अन्य — अपीलार्थीगण

विरूद्ध

आम जनता व अन्य — उत्तरवादीगण

बनाम - 1. आम जनता।
2 संयुक्त संचालक कोष लेखा एवं पेंशन घडी चौक रायपुर छ.ग.।

--00--

अपीलार्थीगण के द्वारा यह अपील सिविल अपील अंतर्गत धारा 96 व्यवहार प्रक्रिया संहिता प्रकरण क्रमांक 31/2023 पक्षकार मनीषा ठाकरे व अन्य विरूद्ध आम जनता व अन्य में पारित निर्णय दिनांक 09.01.2024 से क्षुब्ध एवं असंतुष्ट होकर यह अपील आपके विरूद्ध पेश किया है। जिसकी इस न्यायालय में पेशी तारीख 24.09.2025 को नियत है।

अतः आप सभी को इस समंस प्रकाशन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि जिस किसी पक्षकार को कोई आपत्ति है, तो इस न्यायालय में स्वयं या ऐसे वकील द्वारा नियत पेशी दिनांक 24.09.2025 को उपस्थित हो जिसे तत्संबंध में अनुदेश दिये गये हो और इस वाद से संबंधित सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। न्यायालय में उपसंजाति के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अंतिम निपटारे के लिये नियत दिन है, इसलिये आपको इस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिए जिनके लिये आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आप सभी को सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर वर्णित की गयी तारीख को इस न्यायालय में उपस्थित नही होगें तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।

नोट- यदि किसी कारणवश पेशी तिथि को अवकाश हो जाता है अथवा कार्य स्थगित हो जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर हो तो, प्रकरण की सुनवाई ठीक अगले कार्य दिवस पर किया जावेगा।

आज दिनांक 25 माह 07 सन 2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया।

(अजय कुमार खाखा)
एकादश जिला न्यायाधीश
रायपुर छ.ग.

मुहर

HEALTH TOWN

आयुर्वेद संजीवनी क्लीनिक
सेक्स, नामर्द, नपुंसकता, स्वप्न दोष, शीघ्रपतन, वैवाहिक जीवन की कमजोरी, आयुर्वेदिक दवा द्वारा शर्तिया इलाज, दवा की पहली खुराक से असर शुरू
त्वचा रोग, चर्म रोग, खाज-खुजली का आयुर्वेदिक इलाज | बवासीर, भगंदर का शर्तिया इलाज किया जाता है
डॉ. संजीव नवजीवन गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या. गेट, धमतरी रोड, पचपेड़ी नाका, रायपुर 9770705718

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
रखें आपके सेहत का ख्याल
ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

रामकथा
आंख एवम् कान नाक गला अस्पताल
डॉ. संतोष जायसवाल
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
(कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ)
मो. 70891-60782
कान से मवाद एवं परदे में छिद्र का दूरबीन पद्धति द्वारा ऑपरेशन
बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने कर्मा धाम मंदिर गली बोरिया रोड संतोषी नगर रायपुर, फोन 0771-4001080

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

राज्यस्तरीय मिनीमाता स्मृति दिवस व प्रतिभा सम्मान समारोह कल

रायपुर। छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद व सतनामी समाज की गुरुमाता मिनीमाता की 53 वीं. पुण्यतिथि पर 11 अगस्त को राज्यस्तरीय 'स्मृति दिवस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह' का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सिविल लाइन स्थित वृंदावन हॉल में सुबह 10 बजे प्रारंभ होगा। कार्यक्रम गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी तथा राजश्री सद्भावना समिति की ओर से किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तथा कार्यक्रम अध्यक्ष पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया होंगे। आयोजन समिति अध्यक्ष केपी खण्डे, महासचिव डॉ.जेआर सोनी, एवं प्रवक्ता चेतन चंदेल ने बताया कि बड़ी संख्या में सबसे पहले सतनामी समाज के लोग सुबह 9 बजे पंडरी पुराना बस स्टैंड जाएंगे, जहां माताजी की आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लेंगे। इसके बाद 11 बजे से राज्यस्तरीय मुख्य आयोजन स्थल वृंदावन हॉल में समाजोत्थान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रदेश की महिलाओं, जनप्रतिनिधियों सहित 10वीं-12वीं बोर्ड के प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया जाएगा।

गोदड़ीवाला धाम में आज आमसभा

रायपुर। संत बाबा हरदास साहेब के 34वें वर्सी महोत्सव के उपलक्ष्य में 10 अगस्त को देवपुरी स्थित गोदड़ीवाला धाम में आमसभा का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम संत बाबा गेलाराम साहेब और महंत अम्मा मीरादेवी के आशीर्वाद से किया जाएगा। इस आमसभा में विशेष रूप से संत-महात्माओं के आगमन व प्रस्थान, उनके निवास, भंडारा साहेब व्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, पंडाल आदि सेवाओं पर चर्चा कर सेवादारियों को जवाबदारी सौंपी जाएगी। वर्सी महोत्सव 26 से 28 सितंबर तक मनाया जाएगा। यह जानकारी सेवादारी हरि ईसरानी, अमर गिदवानी, पवन प्रीतवानी, इंदरलाल सचदेव, सतीश थौरानी ने देते हुए बताया कि कार्यक्रम समाजजन बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

निधन

रूपक त्रिपाठी

रायपुर। अवंति विहार निवासी रूपक त्रिपाठी का 9 अगस्त को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 10 अगस्त को दोपहर 3 बजे निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे प्रियाशरण त्रिपाठी के ज्येष्ठ पुत्र थे।

सालिकराम देवांगन

रायपुर। गुढ़ियारी निवासी सालिकराम देवांगन का 9 अगस्त को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 10 अगस्त को सुबह 11 बजे निवास स्थान से कोटा मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे मनोज, राजेश, राजेंद्र और नरेंद्र देवांगन के पिता थे।

न्यायालय - एकादश जिला न्यायाधीश, रायपुर छ.ग.

प्रकरण क्रमांक-52 / 2024 प्रोसेस क्रमांक-975 / 2025
पेशी दिनांक- 24.09.2025

मनीषा ठाकरे व अन्य — अपीलार्थीगण

विरूद्ध

आम जनता व अन्य — उत्तरवादीगण

बनाम - 1. आम जनता।
2 संयुक्त संचालक कोष लेखा एवं पेंशन घडी चौक रायपुर छ.ग.।

--00--

अपीलार्थीगण के द्वारा यह अपील सिविल अपील अंतर्गत धारा 96 व्यवहार प्रक्रिया संहिता प्रकरण क्रमांक 31/2023 पक्षकार मनीषा ठाकरे व अन्य विरूद्ध आम जनता व अन्य में पारित निर्णय दिनांक 09.01.2024 से क्षुब्ध एवं असंतुष्ट होकर यह अपील आपके विरूद्ध पेश किया है। जिसकी इस न्यायालय मे पेशी तारीख 24.09.2025 को नियत है ।

अतः आप सभी को इस समंस प्रकाशन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि जिस किसी पक्षकार को कोई आपत्ति है, तो इस न्यायालय में स्वयं या ऐसे वकील द्वारा नियत पेशी दिनांक 24.09.2025 को उपस्थित हो जिसे तत्संबंध में अनुदेश दिये गये हो और इस वाद से संबंधित सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। न्यायालय में उपसंजाति के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अंतिम निपटारे के लिये नियत दिन है, इसलिये आपको इस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिए जिनके लिये आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं ।

आप सभी को सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर वर्णित की गयी तारीख को इस न्यायालय में उपस्थित नही होगें तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा ।

नोट- यदि किसी कारणवश पेशी तिथि को अवकाश हो जाता है अथवा कार्य स्थगित हो जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर हो तो, प्रकरण की सुनवाई ठीक अगले कार्य दिवस पर किया जावेगा।

आज दिनांक 25 माह 07 सन 2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया ।

मुहर

(अजय कुमार खाखा)
एकादश जिला न्यायाधीश
रायपुर छ.ग.

नहीं लिया सरकारी मेडिकल कालेज में प्रवेश तो काउंसिलिंग प्रक्रिया से बाहर, निजी महाविद्यालय में नियम शिथिल

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा किसी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में एमबीबीएस की सीट का आवंटन किया जाता है, तो छात्र को वहां प्रवेश लेना अनिवार्य होगा। ऐसा नहीं करने पर अभ्यर्थी काउंसिलिंग की पूरी प्रक्रिया से बाहर हो जाएगा। निजी चिकित्सा महाविद्यालय, दंत चिकित्सा महाविद्यालयों के लिए यह नियम लागू नहीं होगा, मगर उन्हें दस्तावेजों की स्क्रूटनी की प्रक्रिया जरूर पूरी करानी होगी।

एमबीबीएस और बीडीएस की सीटों पर प्रवेश के लिए पहले दौर की आवंटन सूची 13-14 अगस्त को जारी की जाएगी और स्क्रूटनी और प्रवेश की प्रक्रिया 18 से 23 अगस्त को पूरी होगी। नियम के मुताबिक चिकित्सा शिक्षा विभाग प्रावीण्य सूची के आधार पर सीटों का आवंटन करेगा। जिन्हें शासकीय मेडिकल कालेज की सीट मिलती है, उन्हें निर्धारित अवधि में संबंधित संस्था में जाकर दस्तावेजों की जांच प्रक्रिया में शामिल होकर एडमिशन लेना होगा। वे प्रवेश प्रक्रिया में दिलचस्पी नहीं दिखाते हैं, तो उन्हें काउंसिलिंग प्रक्रिया से बाहर होकर इसकी कीमत चुकानी होगी। वे काउंसिलिंग प्रक्रिया में बने रहने का विकल्प प्राप्त तभी कर सकेंगे, जब आवंटित सीट पर एडमिशन लेते हैं।

प्रवेश की यह अनिवार्यता निजी मेडिकल कालेज के साथ शासकीय एवं दंत चिकित्सा महाविद्यालय में लागू नहीं है। अभ्यर्थी इन निजी कालेजों की सीटों में प्रवेश लिए बिना दूसरे दौर की काउंसिलिंग में शामिल होने का विकल्प ले सकेंगे। नियम का पालन करते हुए अभ्यर्थी अगर दूसरे राउंड की काउंसिलिंग में शामिल होता है, तो उसे उसी संस्था अथवा विषय की सीट आवंटित नहीं की जाएगी।

दस्तावेजों की स्क्रूटनी कराना सभी अभ्यर्थियों के लिए होगा अनिवार्य

देना होगा फिट सर्टिफिकेट

प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने के दौरान दस्तावेज की जांच कराना होगा। इस दौरान अभ्यर्थी निर्धारित शुल्क जमा कर चिकित्सा महाविद्यालय द्वारा गठित समिति अथवा जिला चिकित्सा बोर्ड से पाठ्यक्रम के लिए फिट सर्टिफिकेट प्राप्त करना होगा। मेडिकली रूप से अनफिट पाए जाने पर संबंधित अभ्यर्थी को चालू प्रवेश प्रक्रिया के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाएगा।

सामान्य वर्ग के लिए 686 से 144 अंक

प्रवेश के लिए यूआर कैटेगरी के लिए 50 परसेंटाइल के साथ 686 से 144 प्राप्तांक को पात्र माना गया है। ओबीसी, एसटी-एससी के लिए प्राप्तांक का दायरा 143 से 113 तय किया गया है। यूआर पीडब्लूडी एवं ईडब्लूएस के लिए 143 से 127 तथा अन्य वर्ग के लिए 126 से 113 कट ऑफ स्कोर को पात्र माना गया है।

आंबेडकर अस्पताल के एमआरडी की फाइलें अभी भी लाल गठरी में बंधी हुई

कमरा मिला पर जरूरी संसाधन नहीं, मरीजों के महत्वपूर्ण दस्तावेज अभी भी गलियारे में

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

आंबेडकर अस्पताल के आने वाले मरीजों की कुंडली रखने वाला मेडिकल रिकार्ड डिपार्टमेंट अभी भी पर्याप्त संसाधनों की बाट जोह रहा है। अस्पताल प्रबंधन की ओर से उसे बड़ा कमरा तो दे दिया गया है, मगर वहां जरूरी दस्तावेजों को संजोने के लिए आलमारी सहित अन्य सामानों की व्यवस्था नहीं की गई है। यहां एमएलएसी, मृत्यु, लामा सहित अन्य दस्तावेज रखे जाते हैं।

काफी कोशिशों के बाद सालभर बाद विभाग में काम करने वाले कर्मचारियों को फाइलों को जमीन से उठाकर रखने के लिए रैक दिया गया था। उसके बाद आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभागीय टीम कंप्यूटर सहित अन्य संसाधन और बड़े कमरे की मांग कर रही थी। करीब दो महीने पहले एमआरडी के लिए दूसरी मंजिल में एक बड़ा कमरा अलॉट किया गया। उस दौरान आलमारी सहित अन्य सामान की व्यवस्था के लिए आश्वासन दिया गया था, जो आज तक पूरा नहीं किया गया है।

सूत्रों के मुताबिक अन्य सामान नहीं मिलने की वजह से एमआरडी अपने नये कमरे में शिफ्ट नहीं हो पाया है। इसकी वजह से फाइलें खुले गलियारे में पड़ी हुई हैं, जिसके बारिश में भीगकर खराब होने की आशंका है। इस मेडिकल रिकार्ड डिपार्टमेंट द्वारा मेडिको लीगल केस, लामा, बिना सूचना अस्पताल से भागने वाले मरीजों के साथ अस्पताल से संबंधित विभिन्न तरह के दस्तावेज वहां सुरक्षित रखे जाते हैं। सबसे महत्वपूर्ण अस्पताल में इलाज के दौरान जान गंवाने वाले मरीजों की जानकारी भी फाइलों के रूप में यहां एकत्रित की जाती हैं। संबंधित मरीज के परिजनों को इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया जाता है, इसलिए फाइलों को कम से कम बीस साल तक सुरक्षित रखना जरूरी होता है।

कई बार लटकती है रिपोर्ट : अस्पताल में किसी मरीज की मृत्यु होने के बाद परिजनों को प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए एमआरडी के चक्कर लगाने पड़ते हैं। संबंधित विभाग से फाइल एमआरडी पहुंचने और उस आधार पर सर्टिफिकेट तैयार कर परिजनों सौंपने तक की सारी प्रक्रिया मैनुअली पूरी करनी पड़ती है, जिसमें महीनेभर का वक्त लग जाता है। सूत्रों के अनुसार इसमें देर होने की वजह इन ढेर से मरीजों की फाइल निकालना होता है।

औसतन पांच सौ फाइलें रोज

सूत्रों के अनुसार आंबेडकर अस्पताल में संचालित 30 से ज्यादा विभागों से यहां रोजाना पांच सौ से अधिक फाइलें नियमित रूप से आती हैं, जिसकी वजह से यहां दस्तावेजों की गठरियों का अंबार लगा रहता है। कुछ समय पहले अस्पताल प्रबंधन द्वारा काफी पुराने हो चुके दस्तावेजों को नष्ट किया कराया गया था। इसके बाद भी बड़ी संख्या में फाइलों को ध्यान में रखते हुए बड़ी जगह की मांग की जा रही थी।

नगर निगम के उद्यान विभाग का वीमेंस फॉर ट्री अभियान

पेड़ पौधों की होगी जियो टैगिंग, महिला समूह करेगा पौधारोपण, निगरानी का जिम्मा भी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

नगर निगम का उद्यानिकी विभाग अब शहर में लगाये जाने वाले पेड़ पौधों की जियो टैगिंग करायेगा। यह कार्य चयनित स्वसहायता समूह की महिलाएं करेंगी। चयनित स्थानों पर महिलाओं को पौधारोपण करने से लेकर उसकी देखरेख का जिम्मा भी दिया जायेगा। अभियान को वीमेंस फॉर ट्री काम नाम दिया गया है, इस कार्य के लिए 2 करोड़ 48 लाख रुपये की मंजूरी मिली है। रायपुर के चार विधानसभा क्षेत्रों में जगह चिन्हांकित कर इस अभियान को प्रमुखता से चलाया जाएगा। महापौर मीनल चौबे के निर्देश पर स्वसहायता समूह की महिलाओं को इस कार्य की अहम जिम्मेदारी मिलेगी।

- 2 करोड़ 48 लाख रुपये की मंजूरी

शहरी सरकार राजधानी सहित आउटर के इलाकों को हरा-भरा बनाने वीमेंस फॉर ट्री अभियान शुरू करने जा रही है। महापौर मीनल चौबे ने बताया कि रायपुर नगर निगम के चार विधानसभा क्षेत्र में पर्यावरण जागरूकता के लिए खाली जगह का चिन्हांकन कर पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा। यही नहीं, लगाये जाने वाले पौधों की जियो टैगिंग कराई जाएगी, साथ ही इसकी नियमित रिपोर्टिंग होगी। अमृत मित्र योजना के तहत इस कार्य में समूह की महिलाओं को हम जोड़ेंगे। उनकी भागीदारी से शहर में अलग-अलग लोकेशन समूह की चयनित महिलाएं पौधा लगाकर उसकी सिंचाई और निगरानी भी करेंगी।

खास बातें

- समूह की महिलाएं प्रत्येक लोकेशन पर पौधा रोपण के लिए सफाई, पानी की उपलब्धता और पौधों की सुरक्षा के लिए फैंसिंग की व्यवस्था साइट पर देखेंगी।
- लगाये जाने वाले पेड़ पौधों की जियो टैगिंग होगी।
- 100 से ज्यादा महिलाओं को मिलेगा पौधारोपण का मौका।
- नगर निगम के माध्यम से स्वसहायता समूह की महिलाओं से मंगाये जाएंगे आवेदन।
- आवेदकों की संख्या ज्यादा होने पर लाटरी निकालकर किया जाएगा महिलाओं का चयन।

पेज 11 के शेष ...

मुन्ना भाई एमबीबीएस...

अधिकारी (सीएमएचओ) से लेकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छत्तीसगढ़ (एनएचएम) से मांगी। एनएचएम ने इस मामले में सीएमएचओ के माध्यम से डाक्टर राहुल को एमबीबीएस की डिग्री एवं मेडिकल काउंसिल में रजिस्ट्रेशन के दस्तावेज जमा करने कहा था, लेकिन दी गई समय-सीमा खत्म होने के कई महीनों बाद भी जमा नहीं किए, जिसके बाद एनएचएम ने राहुल की नियुक्ति में गड़बड़ी हुई है, मानते हुए बर्खास्त कर दिया है।

वर्ष 2018 में हुई थी नियुक्ति : विभागीय सूत्रों के अनुसार डा. राहुल अग्रवाल की नियुक्ति राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छत्तीसगढ़ के माध्यम से वर्ष 2018 में की गई थी। उसकी नियुक्ति सबसे पहले रायपुर स्थित खोखोपारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में की गई थी। बर्खास्तगी के पहले वह मठपुरैना प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ था। बताया जा रहा है कि वह जिला अस्पताल में भी करीब सालभर पदस्थ रहा है।

मुन्ना भाई के किरदार में सात साल तक करता रहा मरीजों का इलाज : नियुक्ति के बाद बिना एमबीबीएस की डिग्री एवं मेडिकल काउंसिल में पंजीयन के वह इतने वर्षों से मुन्ना भाई का किरदार निभाते हुए मरीजों का इलाज भी करता रहा। बिना डिग्री-प्रेक्टिस के राहुल अग्रवाल ने मरीजों का किस तरह से इलाज किया होगा, यह भी जांच का विषय है। बताया जा रहा है कि राहुल अग्रवाल कायाकल्प तथा पीसीपीएनडीटी (गर्भारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम 1994) टीम का हिस्सा भी रहा है।

एनएचएम की नियुक्ति पर भी उठा सवाल : प्रदेश में राहुल अग्रवाल के रूप में फर्जी नियुक्ति के मामले का खुलासा होने के बाद अब एनएचएम छत्तीसगढ़ पर भी सवाल उठने लगा है, क्योंकि राहुल की नियुक्ति भी एनएचएम ने ही की है। इससे पता चलता है कि नियुक्ति में या तो गड़बड़ी हुई है या फिर डिग्री और मेडिकल काउंसिल में पंजीयन के नियम को दरकिनार कर राहुल की नियुक्ति हुई है।

कई और मुन्ना भाई मिलने की संभावना : जिस तरह से डा. राहुल की नियुक्ति हुई है, उससे यह भी संभावना जताई जा सकती है कि प्रदेश में ऐसे और भी कई मामले हो सकते हैं, जिनमें मुन्ना भाइयों की नियुक्ति हुई है।

दस्तावेज जमा करने....

इसके बाद भी वह दस्तावेज जमा नहीं कर पाया। इस बीच राहुल की मांग पर हाईकोर्ट ने एक माह का अतिरिक्त समय भी दिया था, पर वह दस्तावेज जमा नहीं कर पाया। इसके बाद हाईकोर्ट ने राहुल की याचिका को खारिज कर दिया। इस तरह राहुल अग्रवाल एमबीबीएस की डिग्री तथा मेडिकल काउंसिल पंजीयन के दस्तावेज जमा नहीं कर पाया, जिसे आधार मानते हुए एनएचएम ने उसकी सेवा समाप्त कर दी।

रक्षाबंधन में एक पैग...

बड़े अक्षरों में 'बाई वन, गेट वन फ्री' लिखा है। क्लब का यह प्रचार सोशल मीडिया और वॉट्सएप ग्रुप्स से फैलकर बजरंग दल तक पहुंच गया। संगठन ने इसे भारतीय संस्कृति का अपमान बताया और आयोजन होने पर क्लब के घेराव की चेतावनी दी है।

एसएसपी की चेतावनी का असर नहीं : तीन माह पूर्व एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने होटल, क्लब संचालकों की बैठक लेकर उन्हें शराब का किसी भी तरह से प्रमोशन नहीं करने चेतावनी दी थी। साथ ही शराब के साथ किसी भी तरह से फ्री ऑफर नहीं चलाए जाने की चेतावनी दी थी। बावजूद इसके क्लब संचालकों पर एसएसपी की चेतवनी का असर होता नहीं दिख रहा। यही कारण है, क्लब प्रबंधन ने रक्षाबंधन जैसे पर्व में शराब परोसने ऑफर जारी किया है।

ऑफर का खेल रात 10 के बाद शुरू होता है : जिन होटल क्लब तथा बार में फ्री ऑफर दिया जाता है, वहां ऑफर की शर्तें रात 10 के बाद शुरू होती हैं। इसकी पुष्टि हरिभूमि के स्टिंग ऑपरेशन में हुई थी। नियम के मुताबिक शराब परोसने वाले होटल, क्लब तथा बार को रात 11 बजे अनिवार्य रूप से बंद करने का नियम है। ऐसे में ऑफर की स्कीम रात 10 बजे के बाद शुरू होने पर देर रात तक क्लब में शराबखोरी होना आवश्यक है। पुलिस के दावों के मुताबिक रात 11 बजे के बाद सभी बार, क्लब तथा होटल बंद करा दिए जाते हैं।

पुलिस के संज्ञान लेने के बाद ऑफर निरस्त : आईपी क्लब द्वारा शराब परोसने ऑफर के विज्ञापन को पुलिस ने संज्ञान में लेते हुए क्लब संचालक से पूछताछ की। एसएसपी के अनुसार क्लब संचालक ने ऑफर निरस्त करते हुए माफीनामा लिखकर दिया है। एसएसपी के अनुसार क्लब संचालक को शराब प्रमोशन करने तथा शराब में किसी भी तरह के विज्ञापन जारी करने पर सख्त कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है।

पाक ड्रग कनेक्शन से...

कई और लोगों को गिरफ्तार कर सकती है। पूर्व में पकड़े गए ड्रग तस्करों से पूछताछ में पुलिस को कई चौंकाने वाली जानकारी मिली है। संवेदनशील मामला होने तथा जांच में केंद्रीय टीम के शामिल होने की वजह से पुलिस इस मामले में कुछ भी बोलने से बच रही है। पुलिस ने पाकिस्तान से जुड़े ड्रग तस्करी मामले में कृष्णा नगर तथा विकास नगर में छापे की कार्रवाई करते हुए रविंद्र कुमार साहू तथा अभिषेक रजक को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों ने ड्रग आपूर्ति करने का अपराध कबूल किया है। दोनों कुरियर ब्वाय को पुलिस ने पूर्व में पकड़े गए ड्रग तस्करों की निशानदेही पर गिरफ्तार किया है। फिलहाल इस बात की जानकारी नहीं मिल पाई है कि दोनों लड़के ड्रग लेते थे या नहीं। रविंद्र तथा अभिषेक ड्रग तस्करों के संपर्क में कब तथा कैसे आए, पुलिस इसकी जानकारी जुटा रही है।

सबसे आसान ड्रग तस्करी : गांजा सहित अन्य मादक पदार्थों की तस्करी करने तस्करों को कई चुनोतियों का सामना करना पड़ता है। ड्रग तस्करी करने उतनी चुनौती नहीं रहती। साथ ही ड्रग को खपाना भी आसान रहता है। एक बार किसी को ड्रग की लत लग जाए, तो वह कैसे भी कर ड्रग हासिल करने कोशिश करता है। एक छोटे पैकेट में लाखों का हेरोइन चिट्टा आ जाता है, जिसे तस्करी कर एक जगह से दूसरी जगह आसानी से तस्करी कर ले जाया जा सकता है।

ढाई सौ बैंक अकाउंट...

ने फिलहाल फ्रीज नहीं कराया है। पुलिस के अनुसार तस्करों ने अपने बैंक अकाउंट में जमा पैसे निकाल लिए हैं। उनके अकाउंट में मिनिमम बैलेंस से कुछ ज्यादा होने की जानकारी मिली है।

टोकन से होटल में जुआ, आधा दर्जन जुआरी गिरफ्तार, पुलिस की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

गंज थाने की पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आधा दर्जन जुआरियों को होटल में जुआ खेलते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। जुआरियों के कब्जे से पुलिस ने 31 हजार रुपए जब्त किए हैं। पुलिस ने जिन जुआरियों को जुआ खेलते गिरफ्तार किया है, उनमें से एक आदतन जुआरी योगेश अग्रवाल पूर्व में जुआ खेलते 40 बार गिरफ्तार हो चुका है।

पुलिस ने होटल स्वास्तिक में छापा मारकर जुआ खेलते गुढ़ियारी, रामनगर निवासी योगेश अग्रवाल, खम्हारडीह निवासी योगेश साहू, तेलंगाना, हैदराबाद निवासी परमानंद चमेडिया, समता कालोनी निवासी सतीश अग्रवाल, विधानसभा, आमासिवनी निवासी गोपाल महेश्वरी, डीडीनगर, गोल चौक निवासी सुनील अग्रवाल को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए सभी जुआरी कारोबारी हैं।

कैसीनों में जिस तरह से पैसे के बदले क्वाइन दिए जाते हैं, कुछ उसी तरह से टोकन से होटल के एक कमरे में जुआ खेला जा रहा था। अलग-अलग कलर के टोकन की कीमत तय होती है। खिलाड़ी जब जुआ खेलने पहुंचते हैं, तो जुआ संचालक द्वारा पैसे के बदले टोकन दिया जाता है। उसी टोकन के बदले वह जीत हार में दांव लगाता है। जुआरी यह सब पुलिस से बचने के लिए करते हैं। इस वजह से पुलिस की रेड पड़ने पर नकदी रकम की बरामदगी कम होती है।

रेलमंडल की त्वरित कार्रवाई नागपुर में सुरक्षित मिली लापता नाबालिग

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

रायपुर रेल मंडल की त्वरित कार्रवाई से एक लापता नाबालिग बालिका को नागपुर बालिका संरक्षण केंद्र में सुरक्षित पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, कुचिंडा (ओडिशा) को उसकी मां सुबह 9 बजे इतवारी-टाटा पैसेंजर ट्रेन में बैठाकर घर लौट गई थी। बाद में संपर्क करने पर फोन नहीं उठाने और गाड़ी में सो जाने की आशंका रही। जब पिता झारसुगुड़ा स्टेशन पर लेने पहुंचे, तो बच्ची नहीं मिली। इसके बाद लापता होने की आशंका में पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने बच्ची का नंबर सर्विलांस में डालने पर आखिरी लोकेशन शाम 5 बजे दुर्ग में पाया। रात 7 बजे परिवार ने यह मामला रेलवे को बताया। रेलवे ने तत्काल कार्रवाई करते हुए खोजबीन शुरू की और रात 10:30 बजे नागपुर रेलवे परिसर में बच्ची को खोज लिया। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, नागपुर रेलवे परिसर में सीसीटीवी फूटेज के आधार पर बच्ची की पहचान कर उसे सुरक्षित नागपुर बालिका संरक्षण केंद्र पहुंचाया गया। नाबालिग के लापता होने की जानकारी मिलने से मुख्य वाणिज्य निरीक्षक टी. बाबू राव ने तत्परता दिखाई।

कनेक्शन प्रीपैड होने पर बिजली की खपत के साथ बकाया के पैसे भी रोज कटेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

प्रदेश के सभी उपभोक्ताओं के मीटरों को बदलकर स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। प्रदेश में अब तक 22 लाख से ज्यादा मीटर बदले जा चुके हैं। उपभोक्ताओं के कनेक्शन पोस्टपैड से प्रीपैड करने की तैयारी है, लेकिन अभी इसकी कोई तारीख तय नहीं है। इतना तय है, जब भी कनेक्शन प्रीपैड होंगे तो पॉवर कंपनी को बकाया से मुक्ति मिल जाएगी। ऐसे में जिन उपभोक्ताओं पर बिजली बिल का बकाया है, उनको किस्तों में भुगतान करने की सुविधा मिलेगी, इसके लिए उपभोक्ताओं को 300 दिनों का समय देने की योजना है। इस बात की भी तैयारी है कि जिस तरह से रोज की खपत के हिसाब के पैसे कटेंगे, उसी तरह से बकाया को भी 300 दिनों में बांटकर रोज पैसे काटे जाएंगे।

केंद्र सरकार ने देश के हर राज्य में स्मार्ट मीटर लगाने का फरमान जारी किया है। इसका राजपत्र में भी प्रकाशन हो चुका है, ऐसे में कोई भी राज्य स्मार्ट मीटर लगाने से मना नहीं कर सकता है। अपने राज्य में इन मीटरों को लगाने का काम दे दिया गया है। प्रदेश में टाटा और जीनस कंपनी मीटर लगाने का काम कर रही है। रायपुर संभाग में टाटा कंपनी मीटर लगा रही, बाकी संभागों में जीनस कंपनी मीटर लगा रही है।

कनेक्शन प्रीपैड होने पर बकाया जमा करने मिलेगा 300 दिनों का समय

बकायादार बड़ी समस्या

अभी प्रदेश में जो बिजली के उपभोक्ता हैं, उनमें से करीब दस लाख उपभोक्ता ऐसे हैं जिनका बिजली बिल बकाया है। इन उपभोक्ता का बकाया करीब हजार करोड़ से ज्यादा का है। कोरोना काल में उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए बिजली बिल जमा न करने वालों की बिजली नहीं काटी गई थी। ऐसे में बकाया एक समय तो दो हजार करोड़ से ज्यादा का हो गया था। बाद में लगातार वसूली से बकाया कम हुआ है। लेकिन अब भी हजार करोड़ से ज्यादा का बकाया है। बकायादारों में लाखों की संख्या में बीपीएल उपभोक्ता भी हैं। इन्होंने बरसों से बकाया जमा नहीं किया है, लेकिन इनकी बिजली कभी कटती नहीं है। इनसे तो सुरक्षा निधि भी नहीं ली जाती है। बीपीएल के बकायेदारों से वसूली बड़ी समस्या होगी।

ज्यादा बकाया भी एक समस्या

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने लिए कम राशि वाले बकायादार कोई समस्या नहीं है, क्योंकि हर उपभोक्ता का दो माह के बिजली बिल के बराबर सुरक्षा निधि की राशि जमा रहती है। जब स्मार्ट मीटर लगने के बाद कनेक्शन को प्रीपैड किया जाएगा तो कम राशि वाले बकायेदारों का बकाया सुरक्षा निधि से भी काट जा सकता है, जो पैसा बचेगा, वह वापस हो जाएगा। लेकिन जिनका बकाया सुरक्षा निधि के काटने के बाद भी बच जाएगा, उसकी वसूली के लिए पॉवर कंपनी ने 300 दिनों के अंदर किस्तों में भुगतान करने की सुविधा देने की योजना तैयार की है।

खबर संक्षेप

चैंबर का एक पेड़ छत्तीसगढ़ महतारी के नाम अभियान

रायपुर। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कामर्स द्वारा जीई रोड स्थित सेंट्रल लाइब्रेरी परिसर में पर्यावरण संरक्षण के लिए पहल करते हुए एक पेड़ छत्तीसगढ़ महतारी के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने कहा हमें गर्व है कि हमारे सभी सदस्यों और इकाईयों ने इस महत्वपूर्ण अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। यह दर्शाता है कि व्यापारी समुदाय केवल आर्थिक विकास ही नहीं बल्कि सामाजिक और पर्यावरण संबंधी जिम्मेदारियों के प्रति सजग है। हम आगे भी ऐसे ही जनहितैषी कार्यक्रम का आयोजन करते रहेंगे। उन्होंने सभी व्यापारियों से इस संकल्प को निरंतर आगे बढ़ाने का आव्हान किया। कार्यक्रम संयोजक लोकेश चंद्रकांत जैन, प्रभारी राजेंद्र पारख, सोनिया साहू रहे। पौधारोपण के कार्यक्रम में सलाहकार अरविंद जैन, अमर गिदवानी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लुकमान अली शाह का उर्स 12 को

रायपुर। हजरत सैय्यद बाबा लुकमान अली शाह बगदादी, पीडब्ल्यूडी चौक, कटोरा तालाब वाले का सालाना उर्स मनाया जाएगा। 12 अगस्त को दोपहर 3 बजे आस्ताने औलिया से संदल चादर निकाली जाएगी। बाद नमाज मगरीब चादरपोशी होगी। शाम 7 बजे से शमा महफिल होगी, जिसमें न्याल बंधु एंड पार्टी कलाम पेश करेंगे। 13 अगस्त की सुबह 8 बजे कुल की फातिहा होगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने नर्सिंग स्टाफ के साथ मनाया रक्षाबंधन

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने खड़गवां स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में रक्षाबंधन का त्योहार एक अनोखे अंदाज में मनाया। स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ और स्वास्थ्य लाभ ले रही बहनों से राखी बंधवाकर शुभकामनाएं दी। दिन-रात मरीजों की देखभाल करने वाली नर्सों के साथ यह पर्व मनाकर मंत्री ने उनके सेवा-भाव और समर्पण को सम्मान दिया।

सोना 24 कैरेट दस ग्राम के दाम 104500 रुपए

निवेश के लिए सोना सबसे खरा, चांदी से भी हो रही चांदी

चांदी के दाम रिकॉर्ड 118200 रुपए किलो

प्रदेश में रोज 30 करोड़ से ज्यादा का निवेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सोने की लगातार बढ़ती कीमत के कारण निवेशक इसकी तरफ ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। अमेरिका के टैरिफ वार के कारण सोने और चांदी की कीमत में लगातार इजाफा हो रहा है। सोना और चांदी लंबे समय से अब लखटकिया बने हुए हैं। सोने के दाम जहां एक लाख दस हजार तक जाने की संभावना है, वहीं चांदी के दाम सवा लाख होने की पूरी उम्मीद है। सोना इस समय सबसे ज्यादा रिटर्न दे रहा है। सोने के दाम इस साल सवा सात माह में 25 हजार से ज्यादा बढ़े हैं। 24 कैरेट सोने के दाम इस समय राजधानी रायपुर में जीएसटी के 104500 रुपए हैं। इसी के साथ चांदी के दाम भी एक लाख पार होकर रिकॉर्ड 118200 रुपए हो गए हैं। अपने प्रदेश में सोने में रोज 25 करोड़ और चांदी में सात से आठ करोड़ का निवेश हो रहा है।

सोने की कीमत में इस साल लगातार इजाफा हो रहा है। पहली बार 21 अप्रैल को राजधानी रायपुर में सोने के दाम जीएसटी के साथ एक लाख रुपए थी। इसके बाद मई में सोने की कीमत कम हो गई। दो जून में कीमत फिर से एक लाख के पार हो गई। इसके बाद फिर से कीमत कम हुई और अब तो लगातार इसके दाम बीते माह से ही एक लाख के पार हो गए हैं।

अमेरिका के टैरिफ वार का असर

अगस्त में इस सप्ताह सोने एवं चांदी के भाव में रिकॉर्ड तेजी दर्ज की गई है। रायपुर सराफा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरख मालू ने बताया, इस सप्ताह सोना 2800 प्रति 10 ग्राम एवं चांदी 5200 प्रति किलोग्राम बढ़ी। श्री मालू के मुताबिक सोने एवं चांदी के भाव बढ़ने का बड़ा कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विभिन्न देशों पर अलग-अलग आयात शुल्क एवं पेनाल्टी लगाना है। अमेरिका के टैरिफ वार के कारण सोने और चांदी के दाम बढ़ने से स्टॉकिस्ट एवं निवेशक सुरक्षित निवेश पर जोर देते हुए सोने एवं चांदी में निवेश कर रहे हैं। अमेरिकी फेडरल बैंक द्वारा ब्याज दर भी कम किए जाने के संकेत हैं। इससे भी सोने और चांदी के दामों पर असर पड़ रहा है।

नए साल में 25500 बढ़े दाम

नए साल में अब तक सोने के दाम 25500 रुपए बढ़े हैं, यह अब तक रिकॉर्ड है। इसके पहले कभी भी इतने कम समय में इतने दाम नहीं बढ़े हैं। 31 दिसंबर 2024 को कीमत 78400 रुपए थी, 1 जनवरी को कीमत 79 हजार रही। 7 जनवरी को कीमत 80 हजार पहुंची। इसके बाद एक सप्ताह में कीमत 81 हजार के पार हो गई। फिर एक सप्ताह के बाद कीमत 82 हजारी हुई और अंतिम सप्ताह में पहले कीमत 83 हजारी हुई और फिर माह के अंतिम दिन 31 जनवरी को कीमत 84150 रही। फरवरी में करीब पांच हजार दाम बढ़े और कीमत 89 हजार तक गई। इसके बाद कीमत में कमी आई और फिर मार्च में कीमत में तेजी आती चली गई। मार्च में माह के अंतिम दिन कीमत ने नया रिकॉर्ड बनाया और कीमत 93 हजार के भी पार हो गई। इसके बाद अप्रैल में पहली बार कीमत एक लाख तक पहुंची। मई में कीमत कम हो गई। लेकिन अब फिर से कीमत बढ़ते हुए जून के तीसरे सप्ताह में एक लाख 18 सौ रुपए हो गई है। जुलाई में इसके दाम एक-दो अवसरों को छोड़कर एक लाख के पार ही रहे हैं। अगस्त में इसके दाम एक लाख के पांच हजार के करीब पहुंच गए हैं। आने वाले समय में इसके दाम एक लाख दस हजार तक जाएंगे।

घर से दूर रक्षाबंधन के दिन हड़ताल पर डटीं मितानिनें, तीन सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन

संभागवार धरना प्रदर्शन, कलमबंद कामबंद हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रक्षाबंधन के दिन भी घर से दूर राजधानी के नवा रायपुर स्थित धरना स्थल पर मितानिनें हड़ताल पर डटी रहीं। तीन सूत्रीय मांगों को लेकर शनिवार को बिलासपुर संभाग की मितानिनों ने संविलयन सहित अन्य मांगों को लेकर जमकर हल्ला बोला। मितानिनें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संविलयन, मानदेय क्षतिपूर्ति में 50 फीसदी की बढ़ोतरी और ठेका प्रथा बंद करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रही हैं।

दरअसल, छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य मितानिन संघ के आव्हान पर प्रदेशभर की 72 हजार मितानिन, मितानिन प्रशिक्षक, हेल्प फेसिलेटर और ब्लाक को-आर्डिनेटर 7 अगस्त से नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर कामबंद कलमबंद हड़ताल कर अपने लंबित मांगों के प्रति ध्यान आकर्षित कराने आंदोलन कर रही हैं। शनिवार को रक्षाबंधन के त्योहार के दिन भी बिलासपुर संभाग की मितानिन बड़ी संख्या में धरना स्थल पर मौजूद रहीं। रविवार को सरगुजा संभाग से मितानिन धरना स्थल पर अपने हक की आवाज बुलंद करने जुटेंगी। मितानिनों के धरना प्रदर्शन के चलते नवा रायपुर के तूता धरना स्थल पर दिन भर रौनक देखने को मिली। छत्तीसगढ़ मितानिन संघ के प्रांतीय सचिव नंदकिशोर वासनिक ने बताया कि 7 अगस्त से 11 अगस्त तक संभाग स्तरीय धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। इससे पले 29 जुलाई को संघ की मांग पर राजधानी रायपुर में मितानिनों ने जोरदार प्रदर्शन कर अपनी मांगें रखते हुए चेतावनी दी थी कि अगर मांगें पूरी नहीं हुई तो वे कामबंद कलमबंद आंदोलन करने बाध्य होंगी। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ माने जाने वाली मितानिन सड़क पर उतरकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में संविलयन सहित अन्य मांगों को लेकर आंदोलन कर रही हैं।

अग्रवाल भवन पुरानी बस्ती में आज सुरमई गीतों की शाम

रायपुर। छत्तीसगढ़ कला मंच द्वारा रविवार को राजधानी के पुरानी बस्ती स्थित अग्रवाल भवन सभागार में सुरमई शाम का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर प्रतिभागी कलाकार सुरीले गीतों की प्रस्तुति देने मौजूद रहेंगे। छत्तीसगढ़ कला मंच के संस्थापक गोवर्धन शर्मा, संचालक दीपक अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से रायपुर शहर के उन चुनिंदा कलाकारों को कारको अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने भारतीय संगीत को अनूठे माध्यम से श्रोताओं तक पहुंचाया है। कार्यक्रम में देशभक्ति पूर्ण गीत, सावन के मनभावन व कर्णप्रिय गीत के अलावा लोकप्रिय गीतों को पेश किया जाएगा। सुरों से सजी शाम में श्रोताओं को कार्यक्रम में सहभागी बनने आमंत्रित किया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आशीष श्रीवास्तव अनुराग राठी और विशिष्ट अतिथि के रूप में वार्ड पार्षद और जोन 5 अध्यक्ष अंबर अग्रवाल उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही गोवर्धन शर्मा, मनोहर ठाकुर, अजय श्रीवास, मनोज मसंद, कमलेश सिन्हा विशेष रूप से कार्यक्रम में शामिल रहेंगे।

बिजनेस साइट

आरके ग्रुप की स्टॉक क्लीयरेंस सेल का आज अंतिम दिन, ग्राहकों की भारी भीड़

रायपुर। शहर के होटल बेबीलॉन कैपिटल में चल रही आरके ग्रुप की तीन दिवसीय स्टॉक क्लीयरेंस सेल का आज अंतिम दिन है। सेल को ग्राहकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। ब्रांडेड कपड़ों से लेकर होम डेकोर तक, सभी आइटम्स पर 90% तक की छूट ने लोगों को खूब आकर्षित किया। सेल में ब्रांडेड गारमेंट्स, साड़ियां, फुटवियर, एसेसरीज और होम डेकोर आइटम्स की बड़ी रेंज उपलब्ध है। त्योहारों का मौसम नजदीक होने के कारण तीज के लिए ग्राहकों ने जमकर खरीदारी की। आरके ग्रुप के अनुसार, 8000, 10,000 और 15,000 रुपए तक की कीमत वाले नेशनल और इंटरनेशनल ब्रांड्स के कपड़े महज 800, 1200 और 1500 रुपए में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके अलावा ग्राहकों के लिए मानसून कॉम्बो ऑफर भी पेश किया गया है। सेल में मेंस वियर, लेडीज व गर्ल्स वियर, किड्स कलेक्शन और ब्रांडेड फुटवियर की व्यापक रेंज है। वहीं होम डेकोर और एसेसरीज के लिए भी अलग से स्पेशल काउंटर लगाए गए हैं।

सिंघम ई-रिक्शा शोरूम में ईवी वाहनों की विस्तृत रेंज

रायपुर। रिंगरोड नंबर 3, कुशालपुर चौक स्थित सिंघम ई-रिक्शा एवं ई-कॉर्ट शोरूम में ग्राहकों के लिए इलेक्ट्रिक रिक्शा और माल ढोने वाले ई-कॉर्ट के विभिन्न मॉडल उपलब्ध हैं। यहां बिक्री के साथ-साथ कई सुविधाएं भी दी जा रही हैं। यह शोरूम ईवी वाहनों के क्षेत्र में एक भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभर रहा है।

आईडीबीआई बैंक निजीकरण के खिलाफ देशव्यापी विरोध कल हड़ताल पर रहेंगे कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- हड़ताल के समर्थन में पंडरी स्थित एलआईसी दफ्तर के सामने प्रदर्शन, सभा

11 अगस्त को आईडीबीआई बैंक निजीकरण के विरोध में आईडीबी के कर्मचारी देशव्यापी हड़ताल पर रहेंगे। हड़ताल का समर्थन करते हुए कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गये। बैंक और बीमा क्षेत्र की ट्रेड यूनियनों ने आईडीबाई बैंक निजीकरण के इस फैसले का विरोध किया है। वित्त मंत्री द्वारा आईडीबीआई बैंक के निजीकरण की घोषणा के बाद बैंक और बीमा क्षेत्र की ट्रेड यूनियनों ने इस फैसले का जोरदार विरोध किया है। 11 अगस्त को आईडीबीआई कर्मचारियों की देशव्यापी हड़ताल का समर्थन करते हुए कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन हुए। शनिवार को हड़ताल के समर्थन में रायपुर के पंडरी स्थित भारतीय जीवन बीमा कार्यालय के सामने ट्रेड यूनियनों ने प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने 100 फीसदी एफडीआई, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के सरकारी हिस्से की बिक्री और आईडीबीआई बैंक के निजीकरण को रद्द करने की मांग की। प्रदर्शन में शामिल एआईआईईए के संयुक्त सचिव धर्मराज महापात्र ने कहा कि वर्तमान में सरकार और एलआईसी के पास आईडीबीआई बैंक की 95 फीसदी हिस्सेदारी है। उसका बड़ा हिस्सा बेचने का सरकार का इरादा है। निजीकरण के बाद यह हिस्सेदारी घटकर सिर्फ 34 फीसदी रह जाएगी, यानी 66 फीसदी पूंजी निजी निवेशकों के पास चली जायेगी। यह सीधे तौर पर बैक का निजीकरण ही है। उन्होंने कहा कि सरकार बैंकिंग क्षेत्र में विदेशी निवेश और मतदान अधिकारों पर पहले जो सीमाएं रखती थी, अब उन्हें कम कर रही है।

अवैध रेत परिवहन से मना करने पर माफिया के गुर्गों ने सरपंच सहित कई ग्रामीणों को पीटा, 4 दिन बाद भी गिरफ्तारी नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- कई ग्रामीणों के साथ विवाद कर उनसे मारपीट

रायपुर जिले के गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोलियारी में हिन्दी फिल्मी स्टाइल में रेत माफिया के गुर्गों ने सरपंच सहित कई ग्रामीणों की पिटाई कर दी। दरअसल हुआ यूं कि इस गांव से लगी नदी घाट पर रेत माफिया के गुर्गे अवैध रूप से रेत परिवहन कर ले जा रहे थे। सरपंच सहित गांव के कई लोगों ने इसका विरोध करते हुए रेत ले जाने से मना किया। इसके बाद माफिया ने करीब चारपहिया दो वाहन में गुंडों को गांव भेजा और विरोध करने वाले सरपंच सहित अन्य कई ग्रामीणों के साथ विवाद कर उनसे मारपीट की। इस दौरान एक आरोपी ने सरपंच को चाकू निकालकर मारने का भी प्रयास किया, लेकिन किसी तरह भाग कर उसने अपनी जान बचाई। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने थाने में आरोपियों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है, लेकिन रिपोर्ट दर्ज करने के चार

दिन बाद भी पुलिस अभी तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

ग्राम कोलियारी (ल) के सरपंच विरेंद्र यादव ने बताया कि रेत माफिया के गुर्गों का उनके गांव में आतंक है। ये लोग अवैध रूप से यहां रेत का परिवहन करते हैं। इसके बाद भी खनिज विभाग और पुलिस इनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करती। उन्होंने बताया कि 6 अगस्त को गांव से लगे नदी घाट से रेत का परिवहन किया जा रहा था, जिसका ग्रामीणों ने विरोध किया। इस विरोध के बाद वाहन चालकों ने परिवहन करना बंद कर दिया, लेकिन थोड़ी देर बाद गाड़ियों के मालिक ने अपने गुंडों को दो चारपहिया वाहन से गांव भेजा। उनके पास डंडा, बेशरम की लकड़ी, चाकू भी था। गुंडों ने पहले विवाद कर उनसे मारपीट की। इस दौरान एक व्यक्ति ने चाकू से उस पर हमला कर मारने का भी प्रयास किया, जिसके कारण उसे जान बचाने के लिए वहां से भागना पड़ा।

साधारण धाराएं लगाकर आरोपियों को बचाने का प्रयास, एसएसपी से शिकायत

सरपंच सहित ग्रामीण दो दिन पहले इस मामले को लेकर एसएसपी कार्यालय भी पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने एसएसपी लाल उम्मेद सिंह को ज्ञापन सौंपकर बताया कि गोबरा नवापारा पुलिस आरोपियों को बचाने का प्रयास कर रही है, इसलिए इस मामले में मारपीट की साधारण धाराएं लगाकर अपराध पंजीबद्ध किया है, जबकि घटना के दौरान उस पर चाकू से भी हमला हुआ था। अगर वह भागकर अपनी जान नहीं बचाता, तो उसकी जान भी जा सकती थी। सरपंच ने एसएसपी को यह भी बताया कि सभी आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं, लेकिन उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जा रहा है। सभी ग्रामीणों ने इस मामले में आरोपियों के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की धारा लगाने के साथ आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

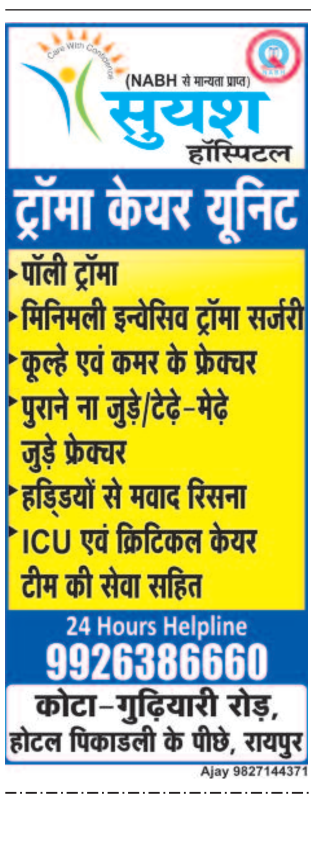

108 जड़ी बूटियों से रूद्राभिषेक

रायपुर। शनिवार को रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर नीलकंठ महादेव मंदिर केलकर पारा स्टेशन रोड में 108 जड़ी बूटियों से भगवान महादेव का रूद्राभिषेक किया गया। रूद्राभिषेक के वरिष्ठ यजमान पंडित नीलकंठ त्रिपाठी ने बताया कि प्रतिवर्ष मंदिर में भगवान शिव का 108 विभिन्न प्रकार की जड़ी बूटियों से मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक किया जाता है।

छत्तीसगढ़ी फिल्म राजा हिंदुस्तानी का ग्रैंड मुहूर्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

एन माही फिल्म प्रोडक्शन और साई कृष्णा फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही छत्तीसगढ़ी फिल्म राजा हिन्दुस्तानी का ग्रैंड मुहूर्त राजधानी के तेलीबांधा मरीन ड्राइव के सामने, राग म्यूजिक कैफे में हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में फिल्म के मुख्य निर्माता मोहित साहू, छत्तीसगढ़ी फिल्मों के जाने माने निर्माता, निर्देशक मनोज वर्मा, अनुपम वर्मा और संजय महानंद प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। फिल्म की शूटिंग सितंबर में प्रारंभ होगी। फिल्म के निर्माता और निर्देशक मोहित साहू और उदय

कृष्ण ने पत्रकारों से चर्चा में बताया कि राजा हिन्दुस्तानी एक पारिवारिक मनोरंजक फिल्म है, जिसमें लव, एक्शन, इमोशन के साथ सुरीले गीत-संगीत दर्शकों को पसंद आयेगा। लीक से हटकर बनने वाली इस फिल्म में समाज के लिए सकारात्मक संदेश दिया गया है। हास-परिहास से भरपूर यह फिल्म हर वर्ग के दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। फिल्म के मुख्य कलाकार अनिल सिंहा और रिंकू राजा हैं।

हरिभूमि

रायपुर, रविवार 10 अगस्त 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

‘भाई-बहन के बीच स्नेह के पर्व रक्षाबंधन की शनिवार सुबह से रात तक धूम रही। बहनों की आवाजाही से परिवारों में दिनभर खुशी का माहौल बना। भाई की कलाई पर राखी बांधने बहनों ने हल्दी, कुमकुम, अक्षत, दीया सजाने के बाद रस्म निभाई। घर-परिवार समेत सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से भी महिलाओं ने राखी पर्व को खुशियों से सराबोर किया। प्रदेश भर से आईं करीब तीन हजार बहनें हाथों में स्नेह की डोर थामे जेल की चारदीवारी के उस पार भाई को राखी बांधने के लिए पहुंचीं। लाइन में इंतजार के बाद राखी बांधने के बीच बातचीत की। भारी मन से बाहर निकलते समय कई बहनों की आंखें भर आईं।’

पर्व की खुशी दोगुनी करने संस्थाओं ने आयोजनों के माध्यम से किया सेलिब्रेट

कलाई पर राखी बांधने सजाई थाली, स्नेह की डोर थामे जेल की चारदीवारी के पार पहुंचीं बहनें

सौ ग्राम मिठाई, राखी और तिलक

रक्षाबंधन पर्व का केंद्रीय जेल में भावनाओं और आत्मीयता से परिपूर्ण माहौल सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक बना रहा। इस अवसर पर बंदियों को उनकी बहनों और परिजनों से मिलने का अवसर भी मिला। बहनें बंदी भाइयों की पारंपरिक तरीके से पूजा-अर्चना करते हुए उनकी कलाई पर रक्षासूत्र बांधने जेल प्रशासन द्वारा बनाई गई व्यवस्था का पालन करने के लिए कतार का हिस्सा बनीं। सौ ग्राम मिठाई, राखी और तिलक-रोली लेकर जेल में प्रवेश किया। कई बंदी परिवार से लंबे समय बाद मिलकर भावुक क्षण साझा किए। इन पलों ने बंदियों और उनके पारिवारिक लोगों को स्नेह का एहसास कराया। उनके मन में सकारात्मक बदलाव की प्रेरणा दी। जेल अधीक्षक योगेश सिंह क्षत्री के मार्गदर्शन में जेल की चारदीवारी में भाइयों को राखी बांधने पहुंचीं बहनों को व्यवस्था से जोड़ने के लिए पुलिस बल के अलावा महिला एवं पुरुष प्रहरी तैनात थे।

राखी बंधवाने के लिए तय समय में पहुंचे 75 भाई

रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का प्रतीक है। परिवार से मिलने का अवसर बंदियों का मनोबल बढ़ाता और समाज में पुनः स्थापित होने की उनकी इच्छा को सशक्त करता है। इस साल 1281 बदियों से मिलने 2953 बहनें पहुंचीं। इसके चलते उन्हें कतार लगानी पड़ी। वहीं दूसरी तरफ 42 महिला बंदियों से मिलने के लिए तय समय में 75 भाई भी राखी और मिठाई लेकर पहुंचे। इसके चलते सुबह से शाम 4 बजे तक जेल परिसर में भारी भीड़ रही। जेल में सिर्फ बहनों का प्रवेश होने से कई लोगों को बाहर ही इंतजार करना पड़ा। इन तमाम हलचलों के बीच पर्व और परंपराओं के साथ अनुशासन, सौहार्द्र, भावनात्मक अपनत्व का अद्भुत संगम देखने को मिला।

सिंधी पंचायत महिला विंग ने मनाया उत्सव

छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत की महिला विंग द्वारा श्याम नगर स्थित पंचायत के प्रधान कार्यालय में रक्षाबंधन पर्व धूमधाम से मनाया गया। प्रदेश अध्यक्ष महेश दरयानी, प्रदेश प्रवक्ता सुभाष बजाज और तनेश आहूजा ने बताया कि महिला विंग द्वारा पारंपरिकता के साथ एक अलग तरह का आयोजन किया गया। इसमें पंचायत के प्रमुख पदाधिकारीयों और सदस्यों को राखी बांधकर रक्षाबंधन मनाया गया। साथ ही महिला विंग ने बहनों की रक्षा के अलावा एक अनूठा वचन भी पंचायत के पदाधिकारियों से लिया कि वर्तमान में जब हर जगह प्रदूषण से पर्यावरण की हानि हो रही है तो हमें वचन दीजिए कि आप पर्यावरण की इस तरह रक्षा करेंगे, जिस तरह बहनों और परिवार की करते हैं। आयोजन में मुख्य रूप से बाबा मुरलीधर उदासी, लद्धाराम नैनवानी, रमेश मिरघानी, बलराम आहूजा, जीवत बजाज, झामनदास बजाज सहित सागर खटवानी, कनक खेमानी, हेमा अमेसर, चंचल बजाज, दीक्षा रामानी, जूही दरयानी के साथ विंग की महिलाएं शामिल हुईं।

राखी बांधने से पहले वृक्षों को लगाया हल्दी-कुमकुम

महाराष्ट्र मंडल की पर्यावरण समिति के सदस्यों और सभासदों ने शनिवार को सुबह 9 बजे रक्षाबंधन मनाने से पहले वृक्षाबंधन का दायित्व जिम्मेदारी से निभाया। पौधों और वृक्षों के तनों पर राखी बांधने से पहले उन्हें हल्दी-कुमकुम का टीका लगाया गया। फिर राखी बांधकर प्रणाम करते हुए रक्षा का संकल्प लिया गया। समन्वयक अभय भागवतकर ने बताया कि समिति की ओर से रोपे गए पौधे, जो वृक्ष बन चुके हैं, उन्हें भी रक्षासूत्र बांधा गया। वैभव बर्वे ने सपत्नीक शेगांव (महाराष्ट्र) में श्री गजानन महाराज की प्रकट स्थली देशमुखपुरा पहुंचकर वटवृक्ष पर वृक्षाबंधन किया। उन्होंने उसी विशाल वृक्ष की पूजा करके राखी बांधी, जिसके नीचे संत गजानन महाराज ने शेगांव वासियों को प्रथम दर्शन दिए थे। पर्यावरण समिति की महिला प्रमुख अनघा करकशे, गीता दलाल, दिव्या पात्रीकर, दिनकर करकशे, पराग दलाल, मनीषा गायकवाड़, अर्चना मुकादम, श्रुति करकशे, गणेश जाधव ने भी रक्षाबंधन से पहले वृक्षाबंधन मनाया।

घर के पकवान-मिठाई लेकर बाल आश्रम पहुंचीं बहनें

पुरानी बस्ती स्थित छत्रपति शिवाजी स्कूल के छात्राओं का समूह रक्षाबंधन के खास अवसर पर बाल आश्रम पहुंचा। कार्यक्रम की शुरुआत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन कीर्तन एवं भाषण के साथ हुई। इस दौरान कक्षा ग्यारहवीं और बारहवीं की छात्राएं शामिल हुईं। पर्व को यादगार बनाने छात्राओं ने हाथों से तैयार राखी बांधकर मिठाई एवं व्यंजन भाइयों को खिलाए। इस दौरान स्कूल के डायरेक्टर मुकेश शाह, प्राचार्या नफीसा रंगवाला व रशीदा फजली उपस्थित रहीं।

रोटरी एलीट ने सीआरपीएफ अफसरों को बांधी राखी

रोटरी एलीट के सदस्यों ने वीआईपी कॉलोनी स्थित सीआरपीएफ कैंप ऑफिस में देश के वीर जवानों के साथ राखी पर्व हर्षोल्लास, सम्मान और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया। आयोजन में द्वितीय कमांड अधिकारी एवं डीआईजीपी, रेंज रायपुर सिद्धार्थ की गरिमामयी उपस्थिति रही, साथ ही 40 से अधिक सीआरपीएफ अधिकारियों की सक्रिय सहभागिता के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में संस्था के सदस्यों ने जवानों की कलाई पर राखी बांधकर उनका आभार प्रकट किया। इस अवसर पर क्लब की रश्मि मित्तल और राखी काबरा व अन्य सदस्य शामिल हुए ।

नशामुक्ति केंद्र में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन

नया जीवन नशामुक्ति केंद्र में रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष जुहैब उर रहमान, शिक्षा विभाग की किरण पैकरा, छत्तीसगढ़ योग आयोग के प्रभारी अधिकारी रविकांत कुंभकार, योगगुरु ज्योति साहू तथा महिला मंडल की बहनें उपस्थित रहीं। बहनों ने नशा पीड़ित मरीजों को राखी बांधकर मिठाई खिलाई और उपहार स्वरूप नशा न करने की शपथ दिलाई। साथ ही महिलाओं की सुरक्षा के लिए भी संकल्प लिया गया।

सरस्वती शिशु मंदिर में राखी सजाओ प्रतियोगिता

सरस्वती विहार स्थित सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सामूहिक रक्षाबंधन त्योहार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ, जिसके बाद कक्षा तृतीय से द्वादश कक्षा की बहनों ने राखी बनाओ प्रतियोगिता एवं नारियल सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया। कक्षा सप्तम एवं अष्टम की बहनों द्वारा हाथों से बनाई राखी रक्षक सैनिक भाइयों के लिए तीसरी वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल बटालियन को सौंपी गई। खास अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों एवं छात्रों को भी राखी बांधी गई।

छात्राओं ने जवानों, वृक्षों व परिवहन स्टॉफ को बांधी राखी

शिवोम विद्यापीठ सांकरा में रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। छात्राओं ने पारंपरिक तौर पर भाई-बहन के रिश्ते से आगे बढ़कर पुलिस जवानों, वृक्षों और विद्यालय परिवहन स्टाफ को राखी बांधी। विद्यालय की छात्राओं ने अम्लेश्वर स्थित पुलिस थाने एवं थर्ड बटालियन के जवानों को भी राखी बांधी और “देश के असली रक्षक” बताते हुए उन्हें सम्मानित किया। साथ ही, पर्यावरण संरक्षण के तहत बच्चों ने वृक्षों को राखी बांधकर पर्यावरण जागरूकता के तौर पर संकल्प लिया। इस मौके पर विद्यालय की प्राचार्य जया बंदेलू, असिस्टेंट डायरेक्टर अशरफ अली उपस्थित रहे।

लाइव इवेंट

मेघ मल्हार में गूंजी परंपराओं की सुरम्य धुन संस्कृति से सजा विप्र फाउंडेशन का मंच

रायपुर। विप्र फाउंडेशन महिला प्रकोष्ठ, छत्तीसगढ़ जोन-13 द्वारा आयोजित मेघ मल्हार पार्ट-2 कार्यक्रम संस्कृति, उत्सव और पारंपरिक मूल्यों से सजे भव्य आयोजन के रूप में सम्पन्न हुआ, जिसने सभी उपस्थितजनों के हृदय में गहरी छाप छोड़ी। इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य था ब्राह्मण समाज की विलुप्त होती सांस्कृतिक धरोहर, सभ्यता एवं रीति-रिवाजों का संरक्षण, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी जड़ों से जुड़ी रहें और हमारे समृद्ध परंपरागत मूल्यों को आगे बढ़ा सकें। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष दीपाली शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रेमा शर्मा, उषा पुजारी, पूर्णिमा शर्मा, नीला दाधीच, ममता शर्मा, ममता बजरंग, नीलम दीक्षित, पूनम शर्मा, प्रीति शर्मा, श्वेता शर्मा, सरोज शर्मा, पिंकी शर्मा, लीना चौबे, सुधा चौबे समेत पूरी टीम ने समर्पित भाव से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रदेश प्रभारी सोनाली शर्मा भी उपस्थित रहीं।

हमारी सांस्कृतिक पहचान की नींव

कार्यक्रम में महिलाओं ने पारंपरिक नृत्य, गीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से माहौल को जीवंत कर दिया। उनकी प्रस्तुतियां न केवल मनोरंजन का माध्यम रहीं, बल्कि यह भी दर्शाया कि हमारी संस्कृति और परंपराएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक तथा प्रेरणादायक हैं। यह आयोजन केवल एक सांस्कृतिक उत्सव नहीं था, बल्कि यह एक सामाजिक संदेश भी था कि हमारी परंपराओं का संरक्षण ही हमारी सांस्कृतिक पहचान की नींव है और इसे अगली पीढ़ियों तक पहुंचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

सिटी लाइव

वर्ल्ड रोबोटिक्स ओलंपियाड के रीजनल राउंड के लिए तीन छात्राओं का चयन

रायपुर। वर्ल्ड रोबोटिक्स ओलंपियाड के रीजनल राउंड के लिए रायपुर के पीएमश्री आरडी तिवारी अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय की तीन छात्राओं का चयन हुआ है। वर्ल्ड रोबोटिक्स ओलंपियाड में देशभर से आए सैकड़ों प्रोजेक्ट्स में से 400 प्रोजेक्ट्स को चुना गया है, जिनमें रायपुर के पीएमश्री आरडी तिवारी अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय की कक्षा आठवीं की छात्रा पारुल सिरमौर, पूर्वा साकार, रिचल एक्का का ‘स्मार्ट पार्किंग’ प्रोजेक्ट भी शामिल है। यह प्रोजेक्ट सतत विकास लक्ष्य पर आधारित है। गौरतलब है कि विद्यालय में रोबोटिक्स लैब की स्थापना वोडाफोन आइडिया फाउंडेशन और एरिक्सन इंडिया ने सीएसआर फंड के तहत की है। लैब में स्ट्रॉबीज, आर्डुइनो, 3डी प्रिंटर, वेक्स आईक्यू, वीआर हेडसेट जैसे कई आधुनिक किट्स उपलब्ध हैं।

रीजनल राउंड में प्रदर्शित करेंगी अपने प्रोजेक्ट

वर्ल्ड रोबोटिक्स ओलंपियाड एक विश्वस्तरीय प्रतियोगिता है, जिसमें चार राउंड होते हैं। पहले वर्चुअल राउंड में छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन के चलते उनका चयन अगले चरण के लिए हुआ है। अब वे 11 अगस्त को कोलकाता में होने वाले रीजनल राउंड में अपना प्रोजेक्ट प्रदर्शित करेंगी। अगर यहां भी चयन होता है तो वे हैदराबाद में राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। विद्यालय के प्राचार्य राकेश गुप्ता एवं रोबोटिक मेंटर सौरव वर्मा ने कहा कि वर्ल्ड रोबोटिक्स ओलंपियाड के रीजनल राउंड में पीएमश्री आरडी तिवारी अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय की छात्राओं का चयन होना न केवल स्कूल, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात है।

आराधना

लोक कल्याण के लिए भगवान शिव ने जहर को न उगला न निगला

रायपुर। बोरियाकला स्थित श्री शंकराचार्य आश्रम में चल रही शिवपुराण कथा को प्रवचन श्रृंखला से जोड़ते हुए आश्रम के प्रभारी डॉ. स्वामी इंदुभवानंद तीर्थ महाराज ने बताया कि भगवान शिव ने लोक कल्याण के लिए जहर को न निगला और न ही उगला। देवता तारकासुर पीड़ा से मुक्त होने के लिए भगवान शिव से मिलने कैलाश पर्वत जाते और स्तुति करते हैं। भगवान शिव भगवती के साथ देवमान की दृष्टि से एक हजार वर्ष तक श्रृंगारभाव से युक्त थे। देवताओं ने भगवान से प्रार्थना करते हुए कहा कि आप कृपालु और दयालु हैं, देवों की रक्षा आपने हमेशा की है। आपके उपकार के आज भी ऋणी हैं। जिस समय समुद्र से कालकूट नामक विष निकला था। उसे देखते ही देवता भाग खड़े हुए।

तारकासुर से मुक्ति के लिए मांगा अभय का वरदान

महाराज ने आगे बताया कि निगलने में उदरस्थ जीवों को, उगलने में प्रकृतिस्थ जीवों को वह कालकूट जहर पीड़ित कर देता, इसलिए अंतस्थ और प्रकृतिस्थ जीवों का कल्याण करने के लिए कालकूट जहर को अपने कंठ में धारण किया। इसलिए नीलकंठ के नाम से विख्यात हुए। यह आपकी सबसे बड़ी दयालुता है महाराज, हम आपकी शरण में पड़े हैं, अब भी आप कृपा कीजिए, तारकासुर से मुक्ति के लिए हमें अभय वरदान दीजिए। आपकी कृपा नहीं होगी तो हम अपने खोए हुए राज्य और वैभव को प्राप्त नहीं कर सकते हैं।

समाज लाइव

संसार का राग इच्छाओं को देता है जन्म, मन अशांत और दुखी रहने का यह बड़ा कारण

रायपुर। श्री शांति कल्याण चातुर्मास-2025 के अंतर्गत आम्रपाली सोसाइटी स्थित श्री अभिनंदन स्वामी मंदिर परिसर में आयोजित 'कषायों की व्यथा महाभारत कथा' प्रवचन श्रृंखला के दौरान शनिवार को मुनिराज शोभनतिलक विजयजी ने कहा कि संसार का राग इच्छाओं को जन्म देता है और इन्हीं इच्छाओं से मन अशांत और दुखी हो जाता है। लोग अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए दौड़ते हैं, पुरुषार्थ करते हैं, मेहनत करते हैं, लेकिन अंत में हाथ आती है तो केवल अशांति। मनुष्य ने यह दुर्लभ मानव जीवन पाकर भी अब तक क्या किया? बस इच्छाओं के पीछे भागते रहे। इच्छा पूरी हो गई तो अहंकार आ गया और यदि पूरी नहीं हुई तो परिस्थितियों के अनुसार नई इच्छा पैदा कर ली। मुनिश्री ने कहा कि जैसे, एक व्यक्ति डिग्री प्राप्त करने की इच्छा से दिन-रात पढ़ाई करता है। डिग्री पाने के बाद नौकरी की दौड़ शुरू हो जाती है।

मृत्यु का भय भी समाप्त हो

महाभारत के प्रसंग में मुनिश्री ने बताया कि कंस का विवाह जरासंध की बहन जीवयशा से हुआ। उनकी बहन के बारे में भविष्यवाणी हुई थी कि उसकी संतान ही कंस का अंत करेगी। कंस को जीवन से मोह था, लेकिन जन्म के साथ मृत्यु का आना शाश्वत सत्य है। हमें ऐसा जीवन जीना चाहिए कि पुनर्जन्म ही न हो, ताकि मृत्यु का भय भी समाप्त हो और इसके लिए जन्म-मरण के चक्र को छोड़कर मोक्ष प्राप्त करना होगा। मोक्ष प्राप्ति के लिए कषायों पर विजय प्राप्त करनी होगी। कंस पर मृत्यु का भय इतना हावी था कि उसने एक योजना बनाई और वह वसुदेव के पास गया। वसुदेव ने पूछा, उदास क्यों हो? कंस ने बताया कि उसकी कोई संतान नहीं है और वह अपने भांजे को गोद लेना चाहता है।

धर्म लाइव

भगवान 1008 श्रेयांश नाथ का मनाया मोक्ष कल्याणक

रायपुर। सन्मति नगर, फाफाडीह स्थित श्री खंडेलवाल दिगंबर जैन मंदिर में 1008 श्री श्रेयांश नाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातःकाल मंदिर में अभिषेक, शांतिधारा, पूजन और आरती के बाद निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया। इन सभी धार्मिक क्रियाओं का सौभाग्य अशोक कुमार और प्रशांत कुमार पाटनी को प्राप्त हुआ। यह जानकारी पंचायत के प्रचार सचिव अतुल गोधा ने दी। इस अवसर पर पं. नितिन जैन ने जैन धर्म में रक्षाबंधन के महत्व को समझाते हुए बताया कि आज के दिन मुनि विष्णु कुमार द्वारा लगभग 700 मुनिराजों पर आए घोर संकट को टालने के लिए रक्षा की गई थी। इसी उपलक्ष्य में जैन धर्म में रक्षाबंधन मनाया जाता है। इस दिन सभी श्रावक अपने सधर्मी बंधुओं की रक्षा का संकल्प लेकर रक्षासूत्र बांधते हैं।

समाज इवेंट

रैंप वॉक कर दिखाया जलवा फिटनेस के प्रति किया जागरूक

रायपुर। नटराज डांस एंड फिटनेस अकेडमी द्वारा सावन महोत्सव मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मिसेज इंडिया आइकॉन 2025 रश्मी डे, सारंगढ़ आएएस की पत्नी रानी चौहान और कुरिया संयुक्त कलेक्टर की पत्नी सिंधु वैध विशेष रुप से उपस्थित थी साथ ही शोभा धार्गवे, किरण सुखदेवे, डब्बुरी श्रीदेवी और सविता वर्मा भी उपस्थित थी।

टी सुनिता रही फर्स्ट रनरअप व शोभा सेकंड रनरअप

कार्यक्रम में रैम्प वॉक के द्वारा सावन क्विन का चुनाव किया गया। जिसमें डी. गीतांजलि सावन क्विन विनर रही। वहीं टी सुनिता फर्स्ट रनर अप और शोभा धार्गवे सेकण्ड रनरअप रही। इस कार्यक्रम में अकेडमी की महिलाओं द्वारा गेम खेला गया एवं नृत्य की प्रस्तुति दी गयी। कार्यक्रम का संचालन नटराज डांस डॉ. पी आर्निका बिरुवास द्वारा किया गया। इस अवसर पर कई रोचक गेम्स खेले गए और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किया गया।

राष्ट्रीय भोजली महोत्सव की श्रृंखला सजाने के लिए छत्तीसगढ़ सहित सात राज्यों से भोजली लेकर पहुंचा आदिवासी समाज

कलाप्रेमियों ने पेश की सुआ-करमा की झलक, सिर पर भोजली धारण कर रस्म निभाई और सजाया महोत्सव

'वनांचल में रहने वाले आदिवासी समाज के लोगों ने प्रकृति प्रेम से ओतप्रोत भोजली महोत्सव का भव्य आयोजन किया। इसे यादगार बनाने के लिए छत्तीसगढ़ सहित मध्यप्रदेश, ओड़िशा, बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल से समाज के लोग भोजली लेकर पहुंचे। इस साल राष्ट्रीय भोजली महोत्सव का आयोजन बूढ़ापारा स्थित बलवीर सिंह जूनेजा इन्डोर स्टेडियम में किया गया। जहां कला प्रेमियों ने समाज को महोत्सव का स्वरूप देने के लिए सुआ और कर्मा जैसे नृत्यों की भावपूर्ण प्रस्तुति से समाज को खुशनुमा माहौल दिया। इसमें शिरकत करने पूर्व सीएम भूपेश बघेल सहित समाज प्रमुखों ने भी मंच साझा किया।'

रायपुर। राष्ट्रीय भोजली महोत्सव हर साल आदिवासी समाज के लोग राजधानी में मनाने के लिए जुटते हैं। इस उत्सव के माध्यम से समाज के लोग प्रकृति प्रेम और भोजली से जुड़ी आस्था को प्रकट करते हैं। महोत्सव का आयोजन भी हर साल किया जाता है। 6 दिनों तक भोजली माता की सेवा घर में करने के बाद सातवें दिन राष्ट्रीय महोत्सव के दिन भोजली माता को बूढ़ा तालाब में पूजा और स्नान की रस्मों से जोड़ने के बाद महिलाएं ओषधिय भोजली को घर लेकर जाते और उसको ग्रहण करते हैं। इस महोत्सव का हिस्सा बनने के लिए प्रदेश सहित दूसरे राज्यों के कई जिलों से आए समाज के लोगों में करीब 25 हजार महिलाएं भोजली स्नान के लिए शाम पौने पांच बजे धूमधाम से निकली। इस बीच समाज के युवाओं ने पारंपरिक गीतों पर नृत्य पेश करते हुए इस आयोजन को खास बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

समाज को संगठित करना और सहयोग...

मंच से आदिवासियों के संवैधानिक एवं मौलिक अधिकारों पर हो रहे हमले को लेकर चिंता जाहिर करते हुए प्रदेश सरकार से आदिवासियों के हितों की रक्षा को बढ़ावा देने के लिए अपील की गई। समाज के लोगों ने भोजली माता की सांस्कृतिक एवं आयुर्वेदिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रदेश, देश व विश्व में सुख-शांति, समृद्धि तथा मित्रता का संदेश और शुभकामनाएं दीं। इस आयोजन का उद्देश्य समाज को संगठित करना और उनमें सहयोग की भावना पैदा करना है। रूढ़िजन्य परपंरा को कायम रखने, समाज को भोजली माता की सांस्कृतिक एवं आयुर्वेदिक महत्व को बताने का प्रयास करने में इस महोत्सव की उपयोगिता पर जोर दिया गया। साथ ही समाज प्रमुखों ने संवैधानिक अधिकारों की लगातार हो रही हत्या पर चर्चा व परिचर्चा करते हुए पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति लोगों को जागृत करने का प्रयास इस आयोजन के माध्यम से किया गया।

इन अतिथियों की मौजूदगी में महोत्सव

इस वर्ष भी श्रद्धेय गोंडवाना गुरुदेव दुर्गे भगत, जगत सिदार एवं गुरुमाता दुर्गे दुलेश्वरी सिदार के सानिध्य में गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं ओडिशा के संयुक्त तत्वावधान में सावन पूर्णिमा के पावन अवसर पर राष्ट्रीय भोजली महोत्सव एवं विश्व आदिवासी दिवस समारोह किया गया। इसमें मुख्य अतिथि कमलेश्वर पटेल (अभा कां. राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य एमपी), अध्यक्षता गुरुमाता दुर्गे दुलेश्वरी सिदार (पूर्व जनपद अध्यक्ष पॉली जिला कोरबा), अतिविशिष्ट अतिथि पूर्व सीएम भूपेश बघेल, पूर्व मंत्री ओंकार मरकाम, दीपक बैज (प्रदेशाध्यक्ष कांग्रेस छग), विधायक जनकलाल ध्रुव, यशोदा वर्मा, नारायण सिंह पट्टा, चैनसिंह वरकड़े और समाज प्रमुख दिलीप सय्याम मंचस्थ रहे।

इनकी अगवानी में निकली भोजली यात्रा

समिति के प्रदेश महासचिव प्रीतम छेदैहा ने बताया कि प्रेस सिंह श्याम, भूपेन्द्र वरकड़े, डॉ. शंकरलाल उईके और जीवराखन उसारे, बजरंग मांझी की अगवानी में किए गए आयोजन में 35 हजार लोग शामिल हुए। इस बार करीब 25 हजार महिलाएं भोजली स्नान यात्रा का हिस्सा बनीं। सुबह 800 सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से महोत्सव का संचालन शुरू किया गया। सबसे पहले सुबह बूढ़ातालाब स्थित आराध्य देव स्थान से पांच ज्योति पंडा और पुजारियों के मार्गदर्शन में लाने के बाद ही महोत्सव स्थल पर स्थापित किया गया। इसके बाद दिनभर उत्सव का सिलसिला चला। शाम को भोजली महोत्सव को सजाने के लिए सिर पर उसे धारण करके महिलाएं निकलीं। तालाब क्षेत्र का भ्रमण करने के बाद आयोजन स्थल लौटीं।

शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं के लिए किया भंडारा, महाआरती और भजन-कीर्तन में हुए शामिल

सावन के अंतिम दिन शिवभक्ति में लीन रहे श्रद्धालु नीलकंठेश्वर मंदिर में बांटे गए 11 हजार सिद्ध रूद्राक्ष

कार्नर न्यूज

रायपुर। सावन मास के अंतिम दिन शहर के सभी प्राचीन देवालयों में दिनभर धार्मिक आयोजनों का सिलसिला जारी रहा। शिव मंदिरों में ब्रह्म मुहूर्त से ही अभिषेक, पूजन, हवन और विशेष अनुष्ठानों की शुरुआत हुई। श्रद्धालु अपने परिजनों के साथ पहुंचकर जलाभिषेक और पूजा-अर्चना में भाग लेते नजर आए। शिवालयों में भोलेनाथ का आकर्षक श्रृंगार आकर्षण का केंद्र रहा, जिसे देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। इस अवसर पर मंदिरों में प्रसादी भंडारे का भी आयोजन किया गया, जहां देर रात तक हजारों श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई थी। सावन के अंतिम दिन स्टेशन रोड स्थित नीलकंठेश्वर मंदिर, महादेवघाट स्थित हाटकेश्वर महादेव मंदिर, सरोना स्थित शिव मंदिर, जैतूसाव मठ, बुढ़ापारा स्थित दतात्रेय मंदिर, नरहेश्वर महादेव मंदिर समेत अनेक देवालयों में विशेष आयोजन किया गया। जहां देर रात तक मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली। सावन माह का अंतिम दिन होने के कारण सभी मंदिरों में महाआरती और भजन कीर्तन का आयोजन रखा गया।"

सावन के अंतिम दिन भूतेश्वर स्वरूप में सजे भोले

स्टेशन रोड स्थित नीलकंठेश्वर मंदिर में ब्रह्ममुहूर्त से ही धार्मिक अनुष्ठान का सिलसिला जारी रहा, इस दौरान भगवान शिव का श्रृंगार भूतेश्वर महादेव के रूप में किया गया। अनुष्ठान एवं मंत्रोच्चार के साथ सुबह से दोपहर तक सहस्त्रनाम रुद्राभिषेक किया गया, जहां शिवलिंग पर 108 प्रकार के औषधि के रस, 7 प्रकार के फलों का रस, 7 प्रकार के सुगंधित फूलों का रस और पंचामृत से अभिषेक किया गया।

नीलकंठ महादेव का 108 जड़ी-बूटियों से किया रुद्राभिषेक

श्रावण शुक्ल पूर्णिमा कि तिथिगत महत्ता का विधान करते हुए सावन के अंतिम दिन रक्षाबंधन पर्व पर नीलकंठ महादेव मंदिर नीलकंठ विहार नहरपारा, केलकर पारा, स्टेशन रोड रायपुर में 108 जड़ी-बूटियों से भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया गया। इसमें प्रदेश के संगठन मंत्री पवन साय, योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा, निशक्तजन आयोग के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया, राज्य सहकारी बैंक मर्यादित के अध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता ने नीलकंठ महादेव का अभिषेक एवं रुद्राभिषेक किया। पं. नीलकंठ त्रिपाठी ने बताया कि रुद्र महाभिषेक एक धार्मिक अनुष्ठान है। इसमें प्रतिवर्ष नीलकंठ मंदिर में भगवान शिव का 108 विभिन्न प्रकार की जड़ी-बूटियों से अभिषेक किया जाता है। प्रतिवर्ष की तरह सावन में 1.50 लाख पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया गया, जहां मंत्रोच्चार की गूंज रही।

रक्षाबंधन पर राजा बली का स्वरूप

महादेवघाट स्थित हाटकेश्वर महादेव मंदिर में सैकड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ देर रात तक देखने को मिली। जहां सुबह से ही भक्तों की कतार मंदिर परिसर में नजर आई। वहीं रक्षाबंधन पर्व और सावन के अंतिम दिन के खास अवसर पर शिवलिंग को राजा बली का स्वरूप दिया गया। ऐसे में चूरमा, मिठाई और फलों का भोग भगवान को अर्पित किया गया। मंदिर के महंत सुरेश गिरी और पं. धन्नू शर्मा ने बताया कि 10 अगस्त को सावन हवन पाठ का आयोजन किया गया है, जो सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगा।

मंदिर परिसर को फूलों से सजाया

सरोना स्थित शिव मंदिर में भी विशेष पूजन का आयोजन किया गया, श्रद्धालुओं द्वारा रुद्राभिषेक किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर को फूलों से सजाया गया, जहां श्रद्धालुओं के लिए विशेष भंडारे की व्यवस्था की गई। वहीं अंतिम दिन मंदिर परिसर में भजन कीर्तन का भी आयोजन किया गया।

महाआरती में स्वर्ण-चांदी के मुकुट माला, पायल का विशेष श्रृंगार

जैतूसाव मठ में भव्य सावन झूला सजाया गया। इस दौरान भगवान नीले रंग की चमकदार पोशाक पर सजे नजर आए। जहां स्वर्ण और चांदी के मुकुट, माला, पायल से विशेष श्रृंगार किया गया। पुजारी सुमित तिवारी ने बताया कि मंदिर परिसर में शाम 4 बजे भव्य आरती की गई, वहीं 11 प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया।

हेल्थ टिप्स

50 के बाद स्ट्रेन्थ ट्रेनिंग करते समय इन टिप्स को करें फॉलो

हेल्दी रहने के लिए वर्कआउट करना जरूरी होता है। इसमें सिर्फ कार्डियो करना ही काफी नहीं है, बल्कि आपको स्ट्रेन्थ ट्रेनिंग पर भी उतना ही ध्यान देना चाहिए। अमूमन लोग यह मानते हैं कि स्ट्रेन्थ ट्रेनिंग केवल यंग एज में ही करना चाहिए। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। हर उम्र में स्ट्रेन्थ ट्रेनिंग करना फायदेमंद होता है।

जब आप 50 की उम्र कें बाद स्ट्रेन्थ ट्रेनिंग करते हैं तो इससे मसल मास से लेकर बोन डेंसिटी को मेंटेन रखने में मदद मिलती है। वास्तव में, स्ट्रेन्थ ट्रेनिंग आपकी ओवर ऑल हेल्थ का ख्याल रखती है, लेकिन जब आपकी उम्र बढ़ती जाती है तो ऐसे में स्ट्रेन्थ ट्रेनिंग करते हुए आपको अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत होती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे छोटे-छोटे टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको 50 के बाद स्ट्रेन्थ ट्रेनिंग करते हुए ध्यान में रखना चाहिए-

अगर आपकी उम्र 50 से अधिक है और आप पहली बार स्ट्रेन्थ ट्रेनिंग कर रही हैं तो हमेशा यह सलाह दी जाती है कि आप पहले एक बार हेल्थकेयर एक्सपर्ट से सलाह अवश्य लें। दरअसल, इस उम्र में कई तरह की बीमारियां व्यक्ति को अपनी जद में ले लेती हैं। ऐसे में स्ट्रेन्थ ट्रेनिंग करने से पहले एक्सपर्ट की सलाह लेना काफी अच्छा रहता है। इससे आपको किसी भी तरह का विपरीत प्रभाव पड़ने की संभावना काफी कम हो जाती है।

वार्मअप से करें शुरुआत

जब आप स्ट्रेन्थ ट्रेनिंग कर रही हैं तो ऐसे में शुरुआत में हमेशा वार्मअप जरूर करना चाहिए। हमेशा ध्यान रखें कि आप करीबन 5-10 मिनट के लिए वार्मअप करें और फिर स्ट्रेन्थ ट्रेनिंग करें। वार्मअप करने के लिए आप ब्रिस्क वॉक से लेकर हल्का कार्डियो आदि कर सकती हैं।

हल्के वजन से करें स्ट्रेन्थ ट्रेनिंग

50 की उम्र के बाद स्ट्रेन्थ ट्रेनिंग करना काफी अच्छा माना जाता है। लेकिन अगर आप इसमें नई हैं या फिर पहली बार स्ट्रेन्थ ट्रेनिंग कर रही हैं तो ऐसे में आप शुरुआत हमेशा हल्के वजन के साथ ही करें। कई बार हम एक्साइटमेंट में बहुत अधिक वजन उठाने की कोशिश करते हैं। लेकिन इस उम्र में एकदम से बहुत अधिक वजन उठाने से आपको चोट लगने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। इसलिए शुरुआत बेहद ही लाइटवेट से करें।

कोर स्ट्रेंथ को दें प्रेफरेंस

50 की उम्र के बाद स्ट्रेन्थ ट्रेनिंग करते हुए आपको अपनी कोर पर अधिक ध्यान देना चाहिए। आप प्लैंक, ब्रिज और एब्डोमिनल क्रंचेस जैसी कोर एक्सरसाइज आपके बॉडी पोश्चर को इंप्रूव करने में मदद करती हैं। इतना ही नहीं, इससे आपकी ओवरऑल बॉडी स्ट्रेन्थ पर भी पॉजिटिव असर पड़ता है।

रिकवरी पर दें ध्यान

50 की उम्र के बाद सिर्फ स्ट्रेन्थ ट्रेनिंग करना ही काफी नहीं होता है, बल्कि आपको अपने शरीर को रिकवरी के लिए भी पर्याप्त समय देना होता है। इसके लिए वर्कआउट के बाद रेस्ट करना ना भूलें। यह आपकी मसल्स रिपेयर और ग्रोथ के लिए बेहद जरूरी है। हमेशा ध्यान रखें कि आप दो वर्कआउट सेशन के बीच कम से कम 48 घंटे का गैप रखें।

रहें कंसिस्टेंट

अगर आप सच में चाहती हैं कि स्ट्रेन्थ ट्रेनिंग करने से आपको फायदा हो, तो इसके लिए जरूरी है कि आप कंसिस्टेंट रहें। हमेशा ध्यान रखें कि आप सप्ताह में कम से कम दो से तीन बाद स्ट्रेन्थ ट्रेनिंग अवश्य करें। इससे आपको कुछ ही वक्त में अपनी बॉडी में फर्क नजर आने लगेगा।

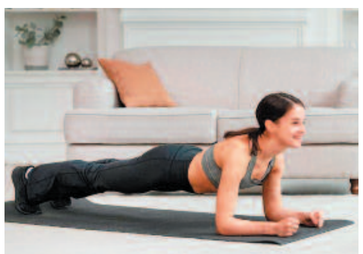

शरीर के लिए मैग्नीशियम तत्व है बेहद जरूरी

शारीरिक और मानसिक सेहत को संतुलित रखता है मैग्नीशियम तत्व, अपने भोजन में करें शामिल

शरीर को बेहतर तरीके से काम करते रहने के लिए रोजाना कई प्रकार के विटामिन्स और माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की जरूरत होती है। हमारे भोजन से ये सभी आसानी से प्राप्त किए जा सकते हैं, इसीलिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को नियमित रूप से स्वस्थ और पौष्टिक चीजों के सेवन की सलाह देते हैं। आहार संबंधी गड़बड़ी के कारण शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो सकती है, जिसके कई प्रकार के दुष्प्रभाव होने का जोखिम रहता है।

मैग्नीशियम ऐसा ही एक अति आवश्यक तत्व है, जिससे भरपूर चीजों को भोजन में जरूर शामिल किया जाना चाहिए। शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत को बेहतर रखने में इसकी आवश्यकता होती है।

अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि मैग्नीशियम की कमी के कारण कई बीमारियों का जटिलताओं के बढ़ने का भी खतरा रहता है। मैग्नीशियम आपके मस्तिष्क और शरीर के लिए महत्वपूर्ण है। हृदय, रक्त शर्करा के स्तर और मनोदशा सहित इसके कई लाभ हैं। यह पत्तेदार साग से लेकर नट्स, सीड्स और बीन्स जैसे खाद्य पदार्थों में पाया जाता है। आइए जानते हैं कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी को आहार में मैग्नीशियम वाली चीजों की मात्रा बढ़ाने की सलाह क्यों देते हैं और इसे कैसे प्राप्त किया जा सकता है?

शरीर में मैग्नीशियम की कमी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, वयस्कों के शरीर में लगभग 25 ग्राम मैग्नीशियम होता है, जिसमें से 50-60 प्रतिशत कंकाल प्रणाली स्टोर करती है। बाकी मांसपेशियों, ऊतकों और शारीरिक में तरल पदार्थों में मौजूद होता है। मैग्नीशियम की कमी कई स्वास्थ्य जटिलताओं का कारण बन सकती है। यह स्थिति तंत्रिकाओं से संबंधित विकारों के अलावा, हड्डियों की कमजोरी, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं, पाचन की दिक्कत और ब्लड शुगर में बढ़ोतरी का भी कारण बन सकती है।

हड्डियों के लिए जरूरी है मैग्नीशियम

शोध में पाया गया है कि हड्डियों के लिए विटामिन-डी और कैल्शियम के साथ-साथ मैग्नीशियम वाली चीजों का सेवन करना भी जरूरी होता है। स्वस्थ हड्डियों के निर्माण के लिए भी मैग्नीशियम आवश्यक है। शोध में पाया गया कि मैग्नीशियम वाली चीजों का सेवन रजोनिवृत्ति के बाद महिलाओं में हड्डियों के घनत्व को ठीक रखने और ऑस्टियोपोरोसिस के जोखिम को कम करने में लाभकारी हो सकता है। यह पोषक तत्व कैल्शियम और विटामिन-डी के स्तर को विनियमित करने में मदद करता है।

डायबिटीज को करता है कंट्रोल

अनुसंधान में मैग्नीशियम वाले आहारों को टाइप-2 डायबिटीज का जोखिम कम करने वाला पाया गया है। ग्लूकोज नियंत्रण और इंसुलिन मेटाबॉलिज्म में मैग्नीशियम महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वर्ल्ड जर्नल ऑफ डायबिटीज में साल 2015 में प्रकाशित समीक्षा रिपोर्ट में मैग्नीशियम की कमी से इंसुलिन प्रतिरोध से जोड़कर देखा गया है।

एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि मैग्नीशियम वाली चीजों के सेवन या सप्लीमेंट्स से इंसुलिन संवेदनशीलता में भी सुधार हो सकता है।

मैग्नीशियम के लिए किन चीजों का करें सेवन?

वयस्क पुरुषों को रोजाना 400-420 ग्राम जबकि महिलाओं को 340-360 ग्राम की मात्रा में इस पोषक तत्व की आवश्यकता होती है। कई खाद्य पदार्थों में उच्च स्तर के मैग्नीशियम होते हैं, जिनमें नट्स और सीड्स, गहरी हरी सब्जियां, साबुत अनाज और फलियां शामिल हैं। एवोकाडो, आलू, केला आदि से भी शरीर के लिए आवश्यक मात्रा में मैग्नीशियम प्राप्त किया जा सकता है।

नदियां उफान पर, रिवर राफ्टिंग देगा रोमांच के साथ बेहतर करियर

अगर आप एडवेंचर में रुचि रखते हैं तो वॉटर स्पोर्ट्स करिअर, एक बेहतर विकल्प हो सकता है। वैसे भी मानसून के इस मौसम में नदियां उफान पर है। ऐसे में वाटर स्पोर्ट्स की ओर युवा ज्यादा आकर्षित होते हैं। देश में वॉटर टूरिज्म का स्कोप बढ़ा है। इसे देखते हुए वॉटर स्पोर्ट्स इंस्ट्रक्टर की डिमांड भी बढ़ रही है। इस फील्ड के लिए जरूरी प्रशिक्षण के अलावा अनुशासन और फिजिकल फिटनेस जरूरी है।

फर्स्ट एड और सर्वाइवल ट्रेनिंग भी अहम है। देश में 80 डाइविंग सेंटर्स से सीखी जा सकती है प्रोफेशनल स्कूबा डाइविंग प्रोफेशनल स्कूबा डाइवर के लिए पहले आपको डाइवमास्टर बनना होगा जो स्कूबा डाइविंग में पहली प्रोफेशनल रेटिंग है। रेस्क्यू डाइवर बनने के लिए 60 डाइव्स करनी होती हैं।

इसमें ट्रेनिंग और नॉन ट्रेनिंग एक्टिविटीज शामिल होती हैं। इसके बाद आप बतौर इंस्ट्रक्टर स्कूबा डाइविंग के कोर्सेज करवा सकते हैं। देश में 80 डाइविंग सेंटर्स हैं जो गोवा, अंडमान, कर्नाटक आदि राज्यों में स्थित हैं।

यहां प्रोफेशनल स्कूबा डाइविंग सिखाई जाती है। इसके अलावा पैडी (प्रोफेशनल एसोसिएशन ऑफ डाइविंग इंस्ट्रक्टर्स) दुनिया की सबसे बड़ी डाइविंग बॉडी है। इसके दुनिया भर में 6600 डाइव सेंटर्स और 1 लाख 37 हजार डाइव प्रोफेशनल्स हैं। यहां भी कई तरह के कोर्सेस उपलब्ध हैं। अगर आपने मरीन बायोलॉजी पढ़ी है तो इससे भी मदद मिलेगी। इसकी विदेशों में काफी डिमांड है। अब स्कूबा डाइविंग के साथ रिवर राफ्टिंग कोर्सेज की काफी मांग है। सिक्किम स्थित इंडियन हिमालयन सेंटर फॉर एडवेंचर एंड ईकोटूरिज्म और अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड एलाइड स्पोर्ट्स में वॉटर राफ्टिंग कोर्स करवाया जाता है। इसके अलावा कई संस्थान सर्टिफिकेट कोर्स भी करवा रहे हैं। इस क्षेत्र में गोवा स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वॉटर स्पोर्ट्स, टूरिज्म और स्पोर्ट्स में एमबीए और बीबीए प्रोग्राम पढ़ाता है। यहां टूरिज्म मैनेजमेंट में पीएचडी प्रोग्राम और कई प्रोफेशनल व डिप्लोमा कोर्स भी उपलब्ध हैं। इनमें विंड सर्फिंग, रिवर राफ्टिंग, स्कूबा डाइविंग सहित 10 स्किल कोर्स कराए जाते हैं।

कुकर में केक बनाते समय इन टिप्स को ना करें नजरअंदाज

मौका किसी भी तरह से खुशी का हो, लोगों को घर पर ही केक बनाना पसंद होता है। कई बार ऐसा भी होता है कि आपको केक बनाना आता है, लेकिन फिर भी आप उसे बना नहीं पाते हैं, क्योंकि आपके पास माइक्रोवेव या ओवन नहीं है। आपको ऐसे ही कुछ टिप्स जरूर जानना चाहिए, जिन्हें ध्यान में रखकर आप बिल्कुल बाजार जैसा केक घर पर कुकर में ही तैयार कर सकते हैं-

सही कुकर का करें इस्तेमाल- हो सकता है कि आपका इस ओर ध्यान ना जाए, लेकिन केक बनाते समय आपको सही कुकर का चयन करना चाहिए। हमेशा ही आप एक टाइट-फिटिंग ढक्कन वाले बड़े और भारी तले वाले कुकर चुनें। कभी भी आप केक बनाने के लिए नॉनस्टिक कुकर का उपयोग ना करें। इससे कुकर की कोटिंग को नुकसान पहुंच सकता है। साथ ही साथ, केक बनाने से पहले रबर गैसकेट को हटा दें, अन्यथा तापमान के कारण ये भी खराब हो सकते हैं। इतना ही नहीं, केक बनाने से पहले कुकर को प्रीहीट करना भी उतना जरूरी होता है।

स्टैंड की लें मदद- कभी भी कुकर में सीधे की केक के बैटर वाले बर्तन को ना रखें। बल्कि कुकर में कुकिंग स्टैंड को रखें। इसके बाद ही केक के बर्तन को रखें। इससे हीट के सोर्स और केक के बर्तन के बीच स्पेस क्रिएट होता है। जिससे हीट सर्कुलेशन बेहतर तरीके से होता है और ऐसे में केक सही तरह से और एकसमा रूप से बेक होता है। वहीं, अगर आप स्टैंड नहीं रखेंगे तो इससे केक निचले हिस्से से एकदम से पक जाएगा, जबकि बीच से वह कच्चा रह जाएगा। इससे सही तरह से बेकिंग नहीं हो पाती है।

सिरके का करें इस्तेमाल- यह एक छोटा सा टिप है, लेकिन आपके बेहद काम आ सकता है। जब आप कुकर में केक बना रहे हैं तो ऐसे में केक बैटर में थोड़ी मात्रा में सिरका मिलाएं। ऐसा करने से बेहद ही सॉफ्ट और फ्लफी केक बनता है। दरअसल, सिरका बैटर में मौजूद बेकिंग सोडा या बेकिंग पाउडर के साथ प्रतिक्रिया करता है और इससे केक को फूलने में मदद मिलती है। कुकर में पकाते समय यह टिप्स बेहद ही लाभकारी है, क्योंकि इससे अनइवन कुकिंग की समस्या को मैनेज करने में मदद मिलती है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

39 साल पुराने 'द हॉवर्ड स्टर्न शो' के बंद होने की संभावना, होस्ट ने बताई वजह

अमेरिकी रेडियो और टेलीविजन के प्रसिद्ध कार्यक्रम 'द हॉवर्ड स्टर्न शो' को 71 साल के हॉवर्ड स्टर्न होस्ट करते आ रहे हैं। ताजा जानकारी के अनुसार, यह शो अब बंद हो सकता है। हॉलीवुड एंकर हॉवर्ड स्टर्न का मशहूर 'द हॉवर्ड स्टर्न शो' 1986 से 2005 तक पूरे अमेरिका में स्थानीय रेडियो पर प्रसारित किया गया था। 2006 से यह शो साइरस एक्सएम रेडियो पर प्रसारित हो रहा है। अब ताजा जानकारी के अनुसार, यह शो अनुबंध समाप्त होने की वजह से बंद किया जा सकता है। मशहूर रेडियो शो 'द हॉवर्ड स्टर्न शो' जल्द खत्म हो सकता है क्योंकि प्रसिद्ध हॉवर्ड स्टर्न का साइरस एक्सएम के साथ 5 साल का 500 मिलियन डॉलर का अनुबंध खत्म होने वाला है। एनएआई की एक खबर के अनुसार, स्टर्न 1-2 साल का नया अनुबंध कर सकते हैं, अगर कंपनी उनकी आर्थिक मांगें पूरी कर ले तो। वह अपने कर्मचारियों को अचानक बेरोजगार नहीं करना चाहते। हालांकि, स्टर्न इस साल रिटायरमेंट के बारे में ज्यादा गंभीरता से सोच रहे हैं। वहीं यह जानकारी भी सामने आई है कि स्टर्न को साइरस एक्सएम में अपने साथी रेडियो होस्ट एंडी कोहेन से बढ़ती प्रतिस्पर्धा से भी नाराजगी है, जिसके चलते उन्होंने कंपनी छोड़ने का विचार किया है। हॉवर्ड स्टर्न 1980 में अपने शो के साथ मशहूर हुए और 2006 में साइरस एक्सएम से जुड़े। 2020 में उन्होंने कंपनी के साथ 5 साल का अनुबंध बढ़ाया था, जिसमें उनके इस शो के ऑडियो और वीडियो के अधिकार भी शामिल थे। स्टर्न ने कहा था कि वह पहले पारंपरिक रेडियो के साथ बुरे अनुभवों से गुजरे हैं, जहां उनके साथ अच्छा व्यवहार नहीं हुआ।

टॉलीवुड

'उस्ताद भगत सिंह' के सेट पर 'किंगडम' की टीम ने बिताए यादगार पल, की पवन कल्याण से मुलाकात

अपनी फिल्म 'किंगडम' की रिलीज से पहले अभिनेता विजय देवरकोंडा ने साउथ स्टार पवन कल्याण से मुलाकात की। विजय देवरकोंडा की फिल्म 'किंगडम' को हिंदी भाषा में 'साम्राज्य' के नाम से रिलीज किया गया है। उसकी टीम ने साउथ सुपरस्टार और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण से उनकी फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' के सेट पर मुलाकात की।

इस दौरान अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म के निर्माता नागा वामसी और अभिनेत्री भाग्यश्री बोरसे भी मौजूद रहे। इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी शेयर की गई हैं। सीथारा एंटरटेनमेंट्स ने अपने एक्स अकाउंट पर इस तस्वीर को शेयर किया है। इस तस्वीर में अभिनेत्री श्रीलीला भी भाग्यश्री के बगल में खड़ी दिखाई दे रही हैं, जबकि पवन कल्याण बीच में खड़े हैं। तस्वीर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया है, "किंगडम परिवार के लिए यह एक पावर पैक्ड मोमेंट है, क्योंकि खुद पावर स्टार पवन कल्याण ने टीम को शुभकामनाएं दी हैं। किंगडम की टीम को आज 'उस्ताद भगत सिंह' के सेट पर पवन कल्याण से मिलने का मौका मिला। इस दौरान उन्होंने पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएं दीं।"

विजय देवरकोंडा ने इसी पोस्ट को अपने एक्स अकाउंट पर री-पोस्ट किया। इसके साथ ही विजय ने लिखा, "पवन कल्याण सर से मिलकर बहुत अच्छा लगा। उन्होंने हमारा बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया। हालांकि उनका पहला वाक्य था कि मुझे अकेले और शांत रहना पसंद है, फिर भी हमने खूब बातें कीं। हमने उनका आशीर्वाद लिया। मैं हमेशा उनके स्वास्थ्य और खुशी के लिए प्रार्थना करूंगा।" 'किंगडम' एक स्पाई-एक्शन थ्रिलर फिल्म है।

भोजपुरी

'निरहुआ' की फिल्म 'बलमा बड़ा नादान 2' का फर्स्ट लुक जारी, सज गया सेहरा

भोजपुरी सिनेमा के जुबली स्टार दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' की फिल्म 'बलमा बड़ा नादान 2' का फर्स्ट लुक जारी हो गया है, जिसमें उनके सिर पर सेहरा सजा दिख रहा है। यह फिल्म रिश्तों और शादी के दिलचस्प मोड़ से भरी कहानी है। यह सिर्फ एक मनोरंजक कहानी नहीं है, बल्कि इसमें भावनाओं, रिश्तों और समाज के बदलते नजरिए को भी दिखाया गया है।

भोजपुरी सिनेमा के जुबली स्टार दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' एक बार फिर अपने दर्शकों के दिलों पर छाने के लिए तैयार हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बलमा बड़ा नादान 2' का धांसू फर्स्ट लुक रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर धमाल मचा रहा है। इस पोस्टर में निरहुआ सेहरे में सजे नजर आ रहे हैं, जो फिल्म की कहानी में शादी और रिश्तों से जुड़े रोचक मोड़ की ओर इशारा करता है। पोस्टर में उनका गंभीर और प्रभावशाली अंदाज दर्शकों को और बढ़ा रहा है। फिल्म को लेकर निरहुआ ने कहा कि यह सिर्फ एक मनोरंजक कहानी नहीं है, बल्कि इसमें भावनाओं, रिश्तों और समाज के बदलते नजरिए को भी दिखाया गया है। उन्होंने बताया कि पहले भाग को दर्शकों ने जिस तरह प्यार दिया, उसने टीम का हौसला बढ़ाया है और इस बार इसे और बड़े स्तर पर बनाया गया है।

टिकाऊ फैशन

फ़ैशन उद्योग दुनिया भर में 6 करोड़ से ज्यादा लोगों को रोजगार देता है। इनमें डिजाइनर और निर्माता से लेकर वितरक तक शामिल हैं। टिकाऊ फैशन के लिए अमेज़न और अलीबाबा जैसी कंपनियाँ फैशन लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाने एआई और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग प्रमुखता से कर रही है। इससे फैशन उद्योग अधिक कुशल और प्रतिस्पर्धी बन गया है।

पील ऑफ मास्क लगाएं तो बरतें सावधानी

स्किन की केयर करने के लिए हम सभी कई तरीके अपनाते हैं। लेकिन आपका कोई भी उपाय केवल तभी काम आता है, जब आपकी स्किन क्लीन हो। स्किन क्लीन होने पर हर प्रोडक्ट्स आपकी स्किन के भीतर तक जाता है, जिससे आपको बेस्ट रिजल्ट मिलता है। स्किन की डीप क्लींजिंग के लिए सिर्फ फेस वॉश करना ही जरूरी नहीं है, बल्कि कभी-कभी पील ऑफ मास्क को भी अप्लाई किया जा सकता है। पील ऑफ मास्क ना केवल आपकी स्किन को एक्सफोलिएट करते हैं, बल्कि उसे डीप क्लीन करते हैं। कभी-कभी पील ऑफ अप्लाई करने से स्किन ग्लो करने लगती है और टेक्सचर भी इंप्रूव होता है। इस बात में कोई दोराय नहीं है कि पील ऑफ मास्क आपकी स्किन के लिए बेहद लाभदायक है, लेकिन इसे इस्तेमाल करते समय आपको कुछ छोटी-छोटी बातों का भी ख्याल रखना चाहिए।

पहले स्किन को करें क्लीन

यह सच है कि पील ऑफ मास्क आपकी स्किन को क्लीन करता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आप सीधे ही पील ऑफ मास्क को स्किन पर अप्लाई कर लें। हमेशा ध्यान रखें कि आप पहले अपनी स्किन को साफ करें। इससे मेकअप, गंदगी और अतिरिक्त तेल को रिमूव करने में मदद मिलेगी। साथ ही, स्किन को क्लीन करने से मास्क को बेहतर ढंग से चिपकने और अधिक प्रभावी ढंग से काम करने में मदद मिलेगी।

जरूर करें पैच टेस्ट

यूं तो पील ऑफ मास्क आपकी स्किन पर प्रभावी तरीके से काम करते हैं। लेकिन जरूरी नहीं है कि मास्क हर स्किन टाइप के लिए उपयुक्त हो। इसलिए, अपने पूरे चेहरे पर मास्क लगाने से पहले आपको एक बार पैच टेस्ट अवश्य करना चाहिए। इससे आपको यह पता चल जाएगा कि पील ऑफ मास्क में मौजूद सामग्री के कारण आपकी स्किन पर किसी तरह का एलर्जिक रिएक्शन होगा या नहीं।

यूं तो पील ऑफ मास्क को अपने पूरे चेहरे पर लगाया जा सकता है, लेकिन जब आप इसे स्किन पर लगा रही हैं तो इसे एकसमान रूप से लगाएं। साथ ही साथ, चेहरे के सेंसेटिव एरिया जैसे आंखें, आईब्रो व लिप्स आदि से बचाकर अप्लाई करें। इससे बाद में उसे रिमूव करते समय आपकी स्किन को प्रॉब्लम हो सकती है।

सूखने के लिए दें समय

पील ऑफ मास्क बेहतर तरीके से काम करे, इसके लिए जरूरी है कि आप उसे सूखने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर वह सही तरह से सूखता नहीं है तो इससे उसे रिमूव करते समय आपको प्रॉब्लम हो सकती है। इसलिए हमेशा यह उसे रिमूव करने से पहले एक बार छूकर देखें कि वह गीला या चिपचिपा तो नहीं है।

फंक्शन के लिए खास रहेंगे नेकलेस के नए डिजाइंस

किसी भी फंक्शन में जाने के लिए अपने लुक को हम कई तरह से स्टाइल करते हैं। अपने लुक को खास बनाने के लिए उसकी स्टाइलिंग करना बेहद जरूरी होता है। स्टाइलिंग की बात करें तो इसमें ज्वेलरी का रोल अहम होता है। मार्केट में आपको कई तरह की ज्वेलरी के डिजाइंस आसानी से मिल जाएंगे, लेकिन किसी फंक्शन या शादी में जाने की हो तो तैयारियां कुछ ज्यादा ही करनी पड़ती हैं। लुक को आकर्षक बनाने के लिए आप स्टेटमेंट नेकपीस को स्टाइल कर सकती हैं। इसलिए आज हम आपको दिखाने वाले हैं स्टेटमेंट नेकलेस के कुछ खास डिजाइंस जिन्हें आप किसी भी शादी व फंक्शन के लिए स्टाइल कर सकती हैं। साथ ही बताएंगे इन्हें स्टाइल करने के आसान टिप्स ताकि आपका लुक आकर्षक नजर आए।

डायमंड डिजाइन नेकपीस देखने में सबसे क्लासी लुक देने में मदद करती हैं डायमंड ज्वेलरी। इसमें अगर आप स्टेटमेंट लुक पाना चाहती हैं तो इस तरह के भरे गले वाले चोकर को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह का चोकर लगभग हर तरह के आउटफिट के साथ आकर्षक नजर आएगा। साथ ही आप चाहे तो इसके साथ में कानों के लिए छोटे साइज के स्टड्स को पहन सकती हैं या चाहे तो कानों में इयररिंग्स को स्किप भी कर सकती हैं।

मल्टी-कलर नेकपीस

खासकर पेस्टल साड़ी के साथ इस तरह की मल्टी-कलर वाली ज्वेलरी खूबसूरत नजर आती है। वहीं इसमें आप चाहे तो पर्ल भी अलग से लगवा सकती हैं।

अपर लिप हेयर रिमूवल के बाद जरूर करें ये काम

चेहरे के अनचाहे बाल किसी को अच्छे नहीं लगते हैं। अक्सर इन बालों को हटाने के लिए हम सभी वैक्स या थ्रेडिंग करवाते हैं। इनमें भी सबसे ज्यादा अपर लिप हेयर इरिटेट करते हैं। ऐसे में इन बालों को समय-समय पर रिमूव करना जरूरी होता है। अगर स्किन की सही तरह से देखभाल नहीं की जाती है तो इससे अपर लिप हेयर में रैशेज, जलन या फिर रेडनेस की समस्या हो सकती है।

करें क्लींज: एक बार अपर लिप हेयर को रिमूव करने के बाद उसे क्लींज करना जरूरी होता है। इससे आपके अपर लिप एरिया पर मौजूद किसी भी तरह के बचे हुए वैक्स को क्लीन करना आसान हो जाता है। हालांकि, जब आप अपर लिप एरिया को क्लीन कर रही हैं तो किसी भी तरह के हार्श क्लींजर का इस्तेमाल करने से बचें। यह आपकी स्किन में जलन पैदा कर सकते हैं।

कूल कंप्रेस का लें सहारा: कूल कंप्रेस का लें सहारा अपर लिप एरिया में हेयर रिमूवल के बाद अक्सर रेडनेस या फिर हल्की जलन का अहसास होता है। जिससे आपको अनकंफर्टेबल फील हो सकता है। अगर आपके साथ भी ऐसा ही कुछ होता है, तो आप कूल कंप्रेस का सहारा लें। इसके लिए, आप एक साफ कपड़ा लें और फिर उसे ठंडे पानी से गीला करके इस्तेमाल करें। आप चाहें तो फ्रिज में ठंडा किया गया जेल मास्क भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

करें मॉइश्चराइज: अपर लिप एरिया को क्लीन करने के बाद उस एरिया को मॉइश्चराइज करना जरूरी होता है। ध्यान रखें कि वह अल्कोहल फ्री हो, अन्यथा आपको जलन का अहसास हो सकता है। अपर लिप एरिया को मॉइश्चराइज करने से स्किन को हाइड्रेटेड रखने में मदद मिलती है।

घर पर तैयार करें ब्लॉक प्रिंट कुर्ता

अगर आपको ब्लॉक प्रिंट के कुर्ते पहनना पसंद है तो इन्हें घर पर आसान तरीके से रेडी कर सकती हैं। इसके लिए बस आपको इन टिप्स को फॉलो करना होगा। ब्लॉक प्रिंट कुर्ता बनाने के लिए आपको आलू, स्पिंग मशीन, मार्कर पेन, फेब्रिक कलर चाहिए। इसके लिए सबसे पहले आपको सफेद कपड़ा लेना है। फिर इससे अपने लिए कर्ता स्टीच करना है। अब आलू लें और मार्कर पेन की मदद से इसपर अपनी पसंद का प्रिंट डिजाइन (शॉर्ट कुर्ता डिजाइन) बनाएं।

इसके बाद एक ट्रे में फेब्रिक कलर लें। आप अपनी पसंद के हिसाब से कलर चूज कर सकती हैं। फिर आलू पर बने इस डिजाइन को इसमें डीप करें और थोड़ी-थोड़ी जगह पर इससे मार्क बनाएं। इस प्रक्रिया को पूरे कुर्ते पर दोहराएं। इसके बाद इसे सूखने के लिए छोड़ दें। इस तरीके से आपका ब्लॉक प्रिंट कुर्ता बनकर रेडी हो जाएगा। आप इसे किसी भी इवेंट या किसी फंक्शन पर स्टाइल कर सकती हैं।

ब्लॉक प्रिंट दुपट्टा भी कर सकती हैं तैयार

अगर आपको दुपट्टे की अलग-अलग कलेक्शन रखना पसंद है तो आप दुपट्टे पर भी ब्लॉक प्रिंटिंग डिजाइन बना सकती हैं। इस तरीके के दुपट्टे (शरारा कुर्ता ट्रेंडी डिजाइन) भी काफी अच्छे लगते हैं और स्टाइल करने के बाद आप खूबसूरत लगेंगी। आपको मार्केट में यही दुपट्टे 500 से 1000 रुपये में मिलेंगे। घर पर इन्हें आप फेब्रिक लाकर कम पैसों में बना सकती हैं। बस आपको इसे बनाने के लिए कुछ टिप्स का खास ध्यान रखना पड़ेगा। तभी आपको ब्लॉक प्रिंट कुर्ता सही तरीके से रेडी हो पाएगा और आप उसे स्टाइल कर पाएंगी।

कार्नर न्यूज

चेहरे पर लाना है शीशे सा निखार तो आज ही से करें इन का इस्तेमाल

ब्यूटी प्रोडक्ट धोखा दे सकते हैं इसलिए जरूरी घरेलू उपाय पर भी दीजिए ध्यान

त्वचा का ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है। इस बात को हम सभी खूब अच्छे तरीके से समझते हैं। वहीं आने वाले दिनों में बहुत से त्यौहार आने वाले हैं। शादियों का भी सीजन रहेगा। ऐसे में महिलाएं अपने मेकअप पर खास ध्यान देती हैं। कई बार ब्यूटी प्रोडक्ट भी धोखा दे देते हैं। इसलिए जरूरी है कि हम घरेलू उपाय पर भी ध्यान दें। चेहरे की चमक को नेचुरल तरीके से बरकरार रखना बेहद जरूरी होता है। जानते हैं उन घरेलू चीजों के बारे में जो त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं।

एलोवेरा: एलोवेरा त्वचा के लिए एक डॉक्टर का काम करता है और अनेक रूप से फायदे पहुंचाने में मदद करता है। अब चाहे तो त्वचा को नमी पहुंचा कर हाइड्रेटेड बनाना हो या चेहरे पर एलोवेरा जेल का बना हुआ फेस पैक हो। इसका इस्तेमाल आप अनेक रूपों में कर सकती हैं। इसके लिए आप घर में एलोवेरा का पौधा लगायें और मार्केट में मिलने वाली जेल को अवॉयड ही करें।

बेसन : बेसन का इस्तेमाल चेहरे पर मौजूद टैनिंग को हटाने के लिए किया जाता है। खासकर यह ऑयली स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि बेसन चेहरे पर मौजूद पोर्स में जमे ऑयल को निकाल पोर्स को डीप क्लीन करने का काम करता है। वहीं इसमें आप कच्चा दूध और गुलाब जल मिलाकर इस्तेमाल कर सकती हैं।

गुलाब जल : गुलाब जल को चेहरे पर कई तरीके से इस्तेमाल कर सकती हैं। बता दें कि यह एक नेचुरल टोनर का काम करता है। ऐसा इसलिए क्योंकि ये चेहरे पर मौजूद पोर्स के अंदर जाकर सफाई कर उनका साइज मिनीमाइज करने में सहायता करता है। साथ ही ये त्वचा के पीएच लेवल को बरकरार रखने का काम भी करता है। इसके अलावा त्वचा पर मौजूद डार्क स्पॉट्स यानी काले धब्बे को कम करने के काम भी आता है।

त्वचा की देखभाल करने के लिए क्या करें ?: त्वचा की देखभाल करने के लिए रोजाना सीटीएम रूटीन को फॉलो करें और चाहे तो आप घरेलू चीजों का इस्तेमाल कर सकती हैं।